राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 342 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार , 22 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

दुनिया भर में योग ने लोगों को आत्मविश्वास और शक्ति दी : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि महामारी के बावजूद, इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की विषयवस्तु-आरोग्य के लिये योग ने लोगों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने हर देश, समाज और लोगों के स्वास्थ्य की कामना की और आशा व्यक्त की कि हम एक-दूसरे के साथ मिलकर सबको शक्तिशाली बनायेंगे। वे आज सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बोल रहे थे। पीएम ने महामारी के दौरान योग की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि योग ने साबित कर दिया है कि संकट की घड़ी में योग से लोगों को शक्ति और शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि देशों के लिये यह आसान था कि महामारी के दौरान योग दिवस को भूल जायें, क्योंकि ये उनकी संस्कृति से नहीं जुड़ा है। लेकिन ऐसा होने के बजाय दुनिया भर में योग के प्रति उत्साह बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने याद करते हुये कहा कि किस तरह अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं ने योग को अपना कवच बनाया और योग के जरिये खुद को मजबूत किया। लोगों, डॉक्टरों और नर्सों ने योग के सहारे वायरस के दुष्प्रभावों का मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ आज प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसी सांस की कसरतों के महत्त्व की पैरवी कर रहे हैं, ताकि हमारा श्वसन-तंत्र मजबूत हो सके। पीएम ने कहा कि योग, रोग की जड़ तक पहुंचता है और उपचार में महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दुनिया भर में योग की उपचार क्षमताओं पर अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग के जरिये शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति पर अध्ययन तथा ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान बच्चों द्वारा योग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे कोरोना से लड़ने के लिये बच्चे तैयार हो जायेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य की भी देखभाल करता है। योग के जरिये हम अपनी आंतरिक शक्ति से जुड़ते हैं और खुद को हर तरह की नकारात्मकता से बचाते हैं। योग की सकारात्मकता का उल्लेख करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा, समत्वं योग उच्यते ही योग है। यह एकात्म का अनुभव करने और उसकी चेतना से एकाकार होने का प्रामाणिक मार्ग है। इस सिलसिले में उन्होंने गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर का उद्धरण दिया, स्व के अर्थ को ईश्वर और अन्यों से अलग होकर नहीं प्राप्त किया जा सकता। वह योग के असीम अनुभव, एकात्म की विराटता में निहित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में युगों-युगों से वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र का पालन किया जाता रहा है, जिसे आज दुनिया भर में स्वीकार कर लिया गया है। हम सब एक-दूसरे के आरोग्य की कामना कर रहे हैं। अगर मानवता के लिये कोई खतरा पैदा होता है, तो योग हमें आमूल स्वास्थ्य प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, योग हमें जीवन को आनन्द से जीने का मार्ग दिखाता है। मुझे भरोसा है कि योग जनमानस के स्वास्थ्य के लिये रोगों से रोकथाम के साथ सकारात्मक भूमिका भी निभायेगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आज एक अहम पहल की है। दुनिया को एम-योग एप्प मिलेगा, जिसमें योगाभ्यास पर कई वीडियो होंगे, जो कई भाषाओं में उपलब्ध होंगे। ये वीडियो आम योगाभ्यास पर आधारित होंगे। इस पहल को आधुनिक प्रौद्योगिकी और प्राचीन विज्ञान के संगम का महान उदाहरण बताते हुये प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि एम-योग एप्प से दुनिया भर में योग का प्रचार करने में मदद मिलेगी तथा इससे एक विश्व-एक स्वास्थ्य के प्रयासों को बल मिलेगा। गीता का उद्धरण देते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि योग की समवेत यात्रा लगातार चलने वाली यात्रा है, जिसके पास सबके लिये समाधान मौजूद है। यह जरूरी है कि योग अपने बुनियादी उसूलों को कायम रखते हुये हर व्यक्ति तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगाचार्यों और हम सभी को जन-जन तक योग पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिये।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते हुए।

बंगाल सरकार की मांग खारिज

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट के पांच जजों की पीठ ने सोमवार को बंगाल सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें हाई कोर्ट के उस आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया था जिसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को समिति गठित कर राज्य में चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं की जांच करने के लिए कहा गया है। चुनाव बाद हिंसा को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर संज्ञान लेते हए हाई कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा जारी आदेश के दो दिन बाद बंगाल सरकार ने यह आवेदन दिया था। गौरतलब है कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति आईपी मुखर्जी, न्यायमूर्ति हरीश टंडन, न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति सुब्रत तालुकदार की पीठ ने 18 जून को मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को निर्देश दिया था कि वह चुनाव बाद हुई हिंसा के दौरान मानवाधिकार उल्लंघन की शिकायतों की जांच के लिए एक समिति गठित करें।

सोमवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने राज्य सरकार की याचिका को खारिज करते हुए अपने 18 जून के आदेश को वापस लेने से साफ इन्कार कर दिया। दरअसल, राज्य सरकार ने पुनर्विचार याचिका दाखिल कर इस आदेश पर रोक लगाने की मांग करते हुए अनुरोध किया था कि उसे मामले की अगली सुनवाई से पहले राज्य विधि सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) के सदस्य सचिव की रिपोर्ट पर कार्रवाई करने और झड़प और हिंसा की ऐसी शिकायतों पर उठाए गए कदम की जानकारी देने का अवसर दिया जाए। इससे पहले जनहित याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि राजनीतिक हमलों की वजह से लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा, उनके साथ मारपीट की गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और कार्यालयों में लूटपाट की गई। सरकार ने अनुरोध करते हुए कहा कि 18 जून के फैसले में बंगाल सरकार और उसके अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणी को हटाया जा सकता है। आवेदन में दावा किया गया था कि यह आदेश राज्य को एसएलएसए सदस्य सचिव की रिपोर्ट के संबंध में जवाब दाखिल करने का मौका दिए बिना पारित किया गया।

सोनिया ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 24 जून को एक अहम बैठक बुलाई है। बैठक में पार्टी के महासचिवों और राज्य प्रभारियों को शामिल होने के लिए कहा गया है। बैठक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जैसे मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति बनेगी। यह मीटिंग ऑनलाइन होगी। खबरें ये भी हैं कि इस दौरान पंजाब और राजस्थान में अंदरूनी कलह से गहराए राजनीतिक संकट पर भी चर्चा होगी। सूत्रों ने बताया कि इस डिजिटल बैठक में कांग्रेस के नेता पार्टी के प्रस्तावित संपर्क अभियान पर भी चर्चा करने वाहे है। बैठक में पेट्रोल-डीजल और जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के संदर्भ में आगे की रणनीति पर चर्चा की होगी।

इस बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों की भी बैठक बुलाई जाएगी। सोनिया गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यह बैठक संसद के मॉनसून सत्र से पहले बुलाई है। मॉनसून सत्र जुलाई में हो सकता है। कांग्रेस पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से सरकार पर लगातार हमले कर रही है। वहीं, ऐसी खबरें हैं कि इस दौरान खासतौर से राजस्थान और पंजाब की स्थितियों के संदर्भ में भी चर्चा होगी। अगले साल यूपी और पंजाब सहित कई राज्यों में चुनाव होने हैं। पंजाब में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री अमरिंदर और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच कलह खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व दोनों को शांत कराने की हर संभव कोशिश कर चुका है। लेकिन, अभी तक कामयाबी नहीं मिली है।

इस बीच पंजाब पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल के एक बयान से सिद्धू के आप में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा कि सिद्धू कांग्रेस के सम्मानित नेता हैं।इसके बाद उनके बारे में कोई लूज टॉक नहीं करनी चाहिए। केजरीवाल से पूछा गया था कि क्या सिद्धू की नजर आप में कोई भूमिका निभाने पर है। उधर, पंजाब जैसे हालात राजस्थान में भी हैं। प्रदेश में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। पायलट कैबिनेट में विस्तार चाहते हैं। वहीं, गहलोत अभी इसके पक्ष में नहीं हैं।

अल्लाह कहने से कमजोर नहीं होगा योग : सिंघवी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनियाभर में आज यानी 21 जून को सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। देश-विदेश में इससे जुड़े कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है और इनमें कई हस्तियां भाग ले रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने एक ट्वीट किया है, जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। दरअसल, सिंघवी ने ट्वीट किया कि ऊं के उच्चारण से न तो योग ज्यादा शक्तिशाली होगा और न अल्लाह कहने से योग की शक्ति कम होगी। बता दें कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी में योग उम्मीद की एक किरण बना हुआ है और इसके प्रति उत्साह कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब कोरोना ने दस्तक दी थी तब दुनिया इसके लिए तैयार नहीं थी लेकिन ऐसे समय में योग ही आत्मबल का एक बड़ा माध्यम बना। पीएम मोदी ने एम-योगा ऐप का भी ऐलान किया है। पीएम ने बताया कि इस ऐप के जरिए योग प्रशिक्षण के कई वीडियोज दुनिया की अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होंगे। आज देश के साथ ही विदेश में भी योग दिवस मनाया जा रहा है। कोरोना के बीच यह दूसरा योग दिवस मनाया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग किसी की संपत्ति नहीं : चिंदबरम

जम्मू, (एजेंसी)।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि संसद के आगामी मानसून सत्र में आपत्तिजनक कानूनों को निरस्त कर, वहां पूर्व की यथास्थिति बहाल की जाए। पूर्व गृह मंत्री ने केंद्र सरकार से यह मांग, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 24 जून को जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों की बुलाई गई बैठक से ठीक पहले की है। उन्होंने ट्वीट किया, कांग्रेस पार्टी का रुख जो कल था उसे पुनः दोहराया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह का संदेह या अस्पष्टता नही रहनी चाहिए। चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर को एक राज्य संविधान के तहत बनाया गया था, उसे संसद के किसी अधिनियम द्वारा संविधान के प्रावधानों की गलत व्याख्या और दुरुपयोग से बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, कृपया याद रखें कि जम्मू-कश्मीर के विभाजन को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और मामला लगभग 2 वर्षों से लंबित है। मानसून सत्र में, संसद को आपत्तिजनक कानूनों को निरस्त कर, जम्मू-कश्मीर में पूर्व की यथास्थिति बहाल करनी चाहिए। पूर्व गृह मंत्री के मुताबिक, कश्मीर मुद्दे के राजनीतिक समाधान के लिए शुरूआती रेखा खींचने का यही एकमात्र तरीका है। चिदंबरम ने कहा, जम्मू-कश्मीर एक स्टेट था जिसने विलय के एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और भारत में शामिल हो गया। इसे हमेशा के लिए उस स्थिति में रहना चाहिए। जम्मू-कश्मीर रियल एस्टेट का हिस्सा नहीं है। जम्मू-कश्मीर वहां के लोग हैं। उनके अधिकारों और इच्छाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर के राजभवन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की।

विदेशी फंडिंग से चलाए जा रहे धर्मांतरण रैकेट से जुड़े दो मौलाना गिरफ्तार

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी के नोएडा में एक धर्मांतरण कराने वाले रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में यूपी एटीएस ने दो मौलानाओं को गिरफ्तार किया है। यह रैकेट पिछले दो साल से धर्मांतरण में लगा है। रैकेट मूक-बधिर बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर और निराश्रित महिलाओं को विशेष रूप से निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराता था। इस मामले में पुलिस को विदेशी फंडिंग के भी सबूत मिले हैं। पुलिस ने इस रैकेट के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अब तक सिर्फ दो लोगों को ही गिरफ्तार किया है, लेकिन इसमें 100 से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान है।

यूपी के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने बताया कि पिछले एक साल में 350 लोगों का धर्मांतरण कराया गया है। नोएडा के एक मूक बधिर स्कूल के भी 18 बच्चों का धर्मांतरण कराया गया। अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा चुका है। ये पूरा रैकेट पिछले दो साल से चल रहा था। उन्होंने बताया कि मामले में विदेशी फंडिंग के सबूत भी मिले हैं। उन्होंने ये भी बताया कि लोगों को डरा-धमकाकर और लालच देकर धर्मांतरण कराया जाता है।

पकड़े गए दोनों आरोपी मोहम्मद उमर गौतम और मुफ्ती काजी जहांगीर कासमी दिल्ली के जामिया नगर इलाके के रहने वाले हैं। इनके ऊपर सिर्फ यूपी ही नहीं, बल्कि पूरे देश में धर्मांतरण कराने का आरोप है। इस मामले में एटीएस ने यूपी के गोमती नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें जामिया नगर स्थित आईडीसी इस्लामिक दावा सेंटर के चेयरमैन का नाम भी दर्ज है। जानकारी के मुताबिक, यूपी एटीएस इन दोनों मौलानाओं से चार दिन से पूछताछ कर रही है। जांच में ये भी सामने आया है कि मोहम्मद उमर गौतम भी हिंदू से मुस्लिम में कन्वर्ट हुआ था।

एटीएस की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, ये लोग गैर-मुस्लिमों को डरा-धमकाकर, उन्हें नौकरी और पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराते थे। ये लोग आमतौर पर कमजोर वर्गों, बच्चों, महिलाओं और मूक बधिरों को टारगेट कर उनका इस्लाम में धर्म परिवर्तन कराते थे।

एटीएस के अफसरों को कहना है कि ये लोग गरीब हिंदुओं को निशाना बनाते थे और अब तक एक हजार से ज्यादा हिंदुओं का धर्मांतरण करा चुके हैं।

जांच में ये भी सामने आया है कि नोएडा में चल रहे मूक बधिर स्कूल के डेढ़ दर्जन बच्चों का भी धर्म परिवर्तन करवा चुके हैं। इन दोनों का नाम रामपुर से जुड़े धर्मांतरण के मामले में भी सामने आया है।

सार समाचार

इतिहास में पहली बार इजराइल के विदेश मंत्री करेंगे यूएई दौरा, अरब देशों से संबध अच्छे होने के आसार?

यरुशलम। इजराइल के नये विदेश मंत्री याइर लेपिड अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाएंगे। अब तक के इतिहास में किसी इजराइली नेता का यह पहला यूएई दौरा होगा। दरअसल, अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के कारण इजराइल और यूएई ने पिछले वर्ष एक समझौते के तहत राजनयिक संबंधों को बहाल करने पर सहमति जताई थी।

इजराइल और अमेरिका में बनी दोनों ही नयी सरकारों ने कहा है कि वे उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में अन्य अरब देशों के साथ भी ऐसे ही समझौते किए जाएंगे। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि लेपिड 29 और 30 जून को यूएई के दौरे पर होंगे, जहां वह अबू धाबी में इजराइली दूतावास और दुबई में एक वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे।

कोरोना संकट के बीच पाकिस्तान को चीन से मिली कोविड-19 टीके की 15.5 लाख खुराकें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को रविवार को चीन निर्मित कोविड रोधी टीके की 15.5 लाख खुराकें मिली हैं। वहीं देश में कोरोना वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया गया है। राष्ट्रीय कमान एवं नियंत्रण केंद्र, पाकिस्तान (एनसीओसी)ने कहा कि पाकिस्तान ने सिनोवैक टीके खरीदे थे और टीकों की खेप पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के विमान से इस्लामाबाद और कराची लाई गई। एनसीओसी ने कहा, 5 चीन ने पाकिस्तान को टीके की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं।''

उसने कहा कि 20-30 लाख खुराकों की अन्य खेप आगामी हफ्तों में चीन से आएगी। योजना मंत्री और एनसीओसी के प्रमुख असद उमर ने ट्वीट किया कि पिछले हफ्ते 23 लाख से ज्यादा टीके लगाये गये हैं और 3,32,877 टीके प्रतिदिन लगाने की दर रही। इस बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1050 नए मरीजों की पुष्टि हुई जिसके बाद मामलों की कुल संख्या 9,48,268 पहुंच गई हैं जबकि इस अवधि में 37 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 21,977 पहुंच गई है। देश में संक्रमण दर 2.56 प्रतिशत है तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 33,972 हैं।

ईरान के चुने गए नए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने खुद को बताया मानवधिकार का रक्षक!

दुबई। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने सोमवार को खुद को 'मानवाधिकारों का रक्षक' बताया। उन्होंने यह बात 1988 में तकरीबन पांच हजार लोगों की सामूहिक फांसी में शामिल होने के बाबत पूछे जाने जाने पर कही। चुनाव में जीत हासिल करने के बाद पहले संवाददाता सम्मेलन में रईसी ने सोमवार को यह बयान दिया। रईसी उस कथित 'मौत के पैनल' के सदस्य थे, जिसने 1980 में हुए ईरान-इराक युद्ध का अंत होने के बाद राजनीतिक बंदियों को मौत की सजा सुनाई थी।

रूसी राजदूत को तीन महीने बाद फिर से भेजा गया अमेरिका

मास्को। रूस और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के बाद स्वदेश लौटे रूसी राजदूत को करीब तीन महीने बाद फिर से अमेरिका भेजा गया हैं। रूसी दूतावास ने इस बारे में ट्वीट करके जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच पिछले सप्ताह जिनेवा में शिखर वार्ता हुई थी। इसी दौरान दोनों नेता रूसी राजदूत अनातोली अंतोनोव की अमेरिका और अमेरिकी राजदूत जॉन सुलिवन की रूस में वापसी पर सहमत हुए थे। सुलिवन अप्रैल में मास्को से स्वदेश आ गये थे। अंतोनोव रविवार को एयरोफ्लोट के विमान से न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए और फिर वाशिंगटन पहुंचे। रूसी दूतावास ने रविवार रात ट्वीट किया कि अंतोनोव अपनी ड्यूटी पर लौट गए हैं। बाइडन के एक टीवी साक्षात्कार के बाद अंतोनोव स्वदेश आ गए थे। इस साक्षात्कार में बाइडन ने कहा था कि पुतिन एक हत्यारे हैं। इसके बाद रूसी अधिकारियों ने सुलिवन को भी स्वदेश लौटने का सुझाव दिया था।

ईरान ने अचानक बंद किया अपना न्यूक्लियर पावर प्लांट, क्या कोई रच रहा साजिश?

तेहरान। ईरान की एकमात्र परमाणु ऊर्जा इकाई को अचानक अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया और इस आपातकालीन कदम को लेकर कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। सरकारी टीवी चैनल ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य विद्युत ऊर्जा कंपनी के अधिकारी घोलामाली राखशानिमेहर ने टीवी पर एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बुशहर स्थित इकाई को शनिवार को बंद किया गया जोकि करीब तीन से चार दिनों के लिए बंद रहेगी।

हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक विवरण साझा नहीं किया लेकिन ऐसा पहली बार है जब ईरान ने इकाई को आपातकालीन तौर पर बंद किया है। दक्षिणी बंदरगाह शहर बुशहर में स्थित इस इकाई को वर्ष 2011 में रूस की मदद से शुरू किया गया था। परमाणु अधिकारी महमूद जाफरी ने मार्च में कहा था कि इस इकाई को बंद करना पड़ सकता है क्योंकि तेहरान इसके लिए आवश्यक कल-पुर्जे और उपकरण खरीदने में असमर्थ है।

पश्चिमी, पूर्वी लीबिया को जोड़ने वाली तटीय सड़क फिर से खोली जाएगी

त्रिपोली। (एजेंसी)।

लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद दबीबाह ने दो साल से बंद रहने के बाद देश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को जोड़ने वाली तटीय सड़क को फिर से खोलने की घोषणा की है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2019 के बाद से, जब राजधानी त्रिपोली और उसके आसपास पूर्वी-आधारित सेना और संयुक्त राष्ट्र समर्थित पूर्व सरकार के बीच युद्ध छिड़ गया था जिससे सड़क बंद कर दी गई थी। दबीबाह ने रविवार को कहा, ये कोशिश एक कठिन समय के बाद आई, जिसके दौरान लोगों को दर्दनाक और गंभीर अनुभवों और वैकल्पिक मार्गों से यात्रा करने की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सड़क के फिर से खुलने और देश के पूर्व और पश्चिम के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी को फिर से शुरू करने के बाद विभाजन की स्थिति समाप्त हो गई है, इसे लीबिया के आधुनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना कहा जाता है।

किम जोंग उन की टिप्पणी एक दिलचस्प संकेत : यूएस एनएसए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की यह टिप्पणी कि प्योंगयांग को बातचीत के लिए तैयार रहना चाहिए, साथ ही वाशिंगटन के साथ टकराव का भी एक दिलचस्प संकेत था।

17 जून को प्योंगयांग में एक प्रमुख वर्कर्स पार्टी की बैठक के दौरान की गई टिप्पणी ने पहली बार किम ने अमेरिका के बारे में बात की, जब से राष्ट्रपति जो बाईडन ने जनवरी में पदभार संभाला था। समाचार एजेंसी ने एबीसी न्यूज के साथ रविवार को एक साक्षात्कार में सुलिवन के हवाले से कहा, उनकी टिप्पणियों को हम एक दिलचस्प संकेत के रूप में देखते हैं और हम यह देखने के लिए इंतजार करेंगे कि आगे के संभावित मार्ग के बारे में हमारे साथ किसी भी तरह के सीधे संचार के साथ उनका पालन किया जाता है या नहीं। उन्होंने पुष्टि की कि बाइडन प्रशासन कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणुकरण के अंतिम उद्देश्य के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम से निपटने के लिए प्योंगयांग के साथ सैद्धांतिक वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है।

उत्तर कोरिया के लिए अमेरिका के नए विशेष दूत सुंग किम परमाणु निरस्त्रीकरण के मुद्दे पर अपने दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ तीनतरफा बैठक के लिए शनिवार को सियोल पहुंचे। अप्रैल के अंत में बाइडन प्रशासन ने उत्तर कोरिया के प्रति अपनी नीति समीक्षा पूरी की। व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने कई माध्यमों से प्योंगयांग से संपर्क किया था लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। किम जोंग-उन और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प ने जून 2018 में सिंगापुर में अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणुकरण और स्थायी शांति समझौते पर सहमति व्यक्त की गई थी। वियतनाम की राजधानी हनोई में फरवरी 2019 में बिना किसी समझौते के दूसरा किम-ट्रम्प शिखर सम्मेलन समाप्त होने के बाद से प्योंगयांग और वाशिंगटन के बीच परमाणुकरण वार्ता रुकी हुई है।

अमेरिका में क्लाउडेट तूफान का कहर, वैन में सवार 8 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत

बैंकॉक, (एजेंसी)।

अटलांटा (अमेरिका)। अमेरिका के अलबामा प्रांत में आए ऊष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान क्लाउडेट के कारण हुए हादसों में 13 लोगों की मौत हो गयी जबकि इसकी वजह से अचानक आई बाढ़ के कारण दर्जनों घर नष्ट हो गए। हादसे में मारे गए लोगों में वैन में सवार आठ बच्चे भी शामिल हैं। अलबामा प्रांत की बटलर काउंटी के कोरोनर वेन गारलॉक ने बताया कि शनिवार को मोंटगोमरी के दक्षिण की ओर करीब 55 किलोमीटर दूर इंटरस्टेट 65 पर कई वाहन आपस में टकरा गए जिसके कारण नौ बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गयी। यह हादसा संभवत- सड़कों पर फिसलन के कारण हुआ।

इस हादसे में एक वैन में सवार आठ बच्चों की मौत हो गयी, जिनकी उम्र चार से 17 वर्ष के बीच बताई जा रही है। यह वैन दुर्व्यवहार अथवा उपेक्षा का शिकार हुए बच्चों के लिए अलबामा शेरिफ एसोसिएशन द्वारा संचालित एक आश्रय स्थल की थी। इसके अलावा एक अन्य वाहन में एक व्यक्ति और उसकी नौ महीने की बच्ची की मौत हो गयी। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।इस बीच, टस्कलोसा शहर में एक मकान पर एक पेड़ गिरने से 24 वर्षीय एक व्यक्ति और तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। तूफान के कारण मिसीसिपी खाड़ी तटीय क्षेत्र में 30 सेंटीमीटर तक बारिश हुई।डब्ल्यूबीआरसी-टीवी ने बताया कि बर्मिंघम में एक व्यक्ति की तलाश की जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि वह व्यक्ति अचानक आई बाढ़ के दौरान पानी में गिर गया था। तूफान की वजह से हुई मूसलाधार बारिश के चलते उत्तरी जॉर्जिया, दक्षिण कैरोलिना के अधिकतर हिस्सों, उत्तरी कैरोलिना तट और दक्षिणपूर्व अलबामा के कुछ हिस्सों और फ्लोरिडा पैनहैंडल में रविवार को अचानक बाढ़ आ गयी।

बन रही शांति! इजराइल ने गाजा पट्टी पर कुछ प्रतिबंधों में ढील दी

गाजा सिटी (गाजा पट्टी)। इजराइल ने सोमवार को गाजा पट्टी पर कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मई में इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच 11 दिनों तक चली लड़ाई के बाद संघर्ष विराम को लेकर खतरा पैदा हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि 40 दिनों में पहली बार केरेम शालोम क्रॉसिंग से 11 ट्रकों के जरिये कपड़ों का निर्यात किया गया।इजराइल ने रविवार को कहा था कि वह गाजा से सीमित कृषि निर्यात की अनुमति देगा। अधिकारियों के अनुसार गाजा के अंदर और बाहर मेल सेवाओं को फिर से शुरू करने की भी अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि इजराइल द्वारा लगाये गये अन्य प्रतिबंध जारी रहेंगे। इनमें गाजा के मछुआरों के लिए क्षेत्र पर प्रतिबंध, इजरायल या वेस्ट बैंक में इलाज कराने वाले चिकित्सा रोगियों की संख्या सीमित रखने और गाजा उद्योगों के लिए कच्चे माल पर प्रतिबंध शामिल हैं। गौरतलब है कि इजराइल और हमास के बीच 21 मई को संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी, जिसके बाद 11 दिन तक चले युद्ध पर विराम लग गया था। यह संघर्ष 10 मई को शुरू हुआ था जब गाजा में हमास चरमपंथियों ने यरुशलम की तरफ लंबी दूरी के रॉकेट दागे थे।

इमरान खान का अजब बयान, पाकिस्तान में रेप के लिए महिलाओं के कपड़ों को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

खुद प्लेबॉय के इमेज रखने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अक्सर रेप को लेकर अपने बयान देते हुए मुश्किल में पड़ जाते हैं। अब एक बार फिर इमरान ने अपनी घटिया सोच का परिचय देते हुए रेप को लेकर घिनौना बयान दिया है। इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान में बढ़ रहे यौन उत्पीड़न के मामलों में हो रही वृद्धि महिलाओं कपड़ो से जुड़ी हुई है।

'एक्सियोस ऑन एचबीओ' दो दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा, 'अगर महिला बहुत कम कपड़े पहनती है, तो इसका पुरुषों पर असर होगा, हां अगर वे रोबोट हैं तो ऐसा नहीं होगा। यह कॉमन सेंस की बात है।' इमरान खान की इस घटिया टिप्पणी ने दुनियाभर की आलोचनाओं को न्यौता दिया है और अब सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया है। विपक्षी नेता और पत्रकार जमकर उनकी आलोचना कर रहे हैं। इंटरनेशनल कमिशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स की साउथ एशिया की कानूनी सलाहकार रीमा ओमर ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री इमरान खान का पाकिस्तान में यौन हिंसा के कारणों पर आया बयान बेहद निराशाजनक है जिसमें एकबार फिर उन्होंने पीड़ित को ही दोषी ठहराया है। यह साफ रूप से घटिया है।'

हालांकि, डिजिटल मीडिया पर पीएम के फोकल पर्सन डॉ अर्सलान खालिद ने कहा कि उनके बयान को संदर्भ से बाहर ले जाकर ये ट्वीट किए जा रहे हैं। डॉ अर्सलान खालिद ने ट्वीट कर कहा कि खआन की आधी बात को काटकर संदर्भ से बाहर ले जाकर ट्वीट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि हम किस तरह के समाज में रहते हैं और उन्होंने समाज में यौन निराशा के बारे में बात की है।

पहले भी दिए हैं घटिया बयान

क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने इससे पहले पाकिस्तान में हो रही यौन हिंसा के मामलों में हो रही वृद्धि के पीछे अश्लीलता को जिम्मेदार ठहराया था। लाइव टेलीविजन पर एक इंटरव्यू में, पीएम इमरान खान ने कहा था, 'पर्दे की यह पूरी अवधारणा प्रलोभन से बचने के लिए है। हर किसी के पास इससे बचने की इच्छाशक्ति नहीं है।' इमरान खान बलात्कार और यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकने के लिए उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। अप्रैल में खान की टिप्पणियों के बाद, सैकड़ों लोगों ने एक बयान पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें खान से उनके विचारों के लिए माफी मांगने की मांग की गई थी। पाकिस्तान द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर 24 घंटे में बलात्कार के कम से कम 11 मामले सामने आते हैं। पिछले छह वर्षों में पुलिस में ऐसे 22,000 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, पाकिस्तान में बलात्कार के दोषियों की सजा की दर बेहद कम 0.3 प्रतिशत है।

अशरफ गनी और अब्दुल्ला से 25 जून को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और वहां की राष्ट्रीय सुलह उच्च परिषद (हाई काउंसिल फॉर नेशनल रिकंसिलिएशन) के अध्यक्ष डॉ अब्दुल्ला अब्दुल्ला से 25 जून को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने रविवार को कहा, ''राष्ट्रपति गनी और डॉ अब्दुल्ला की यात्रा (अफगानिस्तान में नाटो) सैनिकों की संख्या कम किए जाने के बीच अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच स्थायी साझेदारी को रेखांकित करेगी।''

उन्होंने कहा, ''बाइडन 25 जून को व्हाइट हाउस में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और राष्ट्रीय सुलह उच्च परिषद के अध्यक्ष डॉ अब्दुल्ला अब्दुल्ला का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'' साकी ने कहा कि अमेरिका, अफगान महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों सहित अफगान नागरिकों का समर्थन करने के लिए राजनयिक, आर्थिक और मानवीय सहायता प्रदान जाए, जो अमेरिका के करते हैं। साकी ने कहा, ''अमेरिका जारी शांति प्रक्रिया का पूरी तरह से समर्थन करता है और सभी अफगान पक्षों को संघर्ष समाप्त करने के लिए वार्ता में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका अफगानिस्तान सरकार के साथ संवाद बनाए रखेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश फिर से उन आतंकवादी समूहों के लिए पनाहगाह न बन लिए खतरा पैदा

आर्मीनिया में चल रहे संसदीय चुनाव, प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान की पार्टी को बढ़त

येरेवान (आर्मीनिया)। (एजेंसी)।

आर्मीनिया के संसदीय चुनाव के शुरुआती नतीजों में प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे चल रहे हैं। देश के

निर्वाचन आयोग ने रविवार को बताया कि आठ प्रतिशत मतों की गिनती के बाद, निकोल पशिनयान की 'सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी' को करीब 62 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट कोचरयान की पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं। प्रधानमंत्री पशिनयान ने नवम्बर में हुए शांति समझौते के बाद जनता के रोष को शांत करने के लिए समय से पहले ही रविवार को चुनाव कराने का आह्वान किया था।

पिछले कई महीने से प्रदर्शनकारी पशिनयान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। रूस की मध्यस्थता से हुए समझौते से आर्मीनिया और अजरबैजान की सेना के बीच छह सप्ताह से चल रही जंग खत्म हो गयी , लेकिन अजरबैजान ने नागोर्नो-काराबाख के बड़े हिस्से तथा आसपास के इलाके पर अपना नियंत्रण बना लिया, जहां पिछले कई वर्षों से आर्मीनिया की सेना का कब्जा था। राजनीतिक उठापठक के बावजूद रविवार को केवल 49 प्रतिशत ही मतदान हुआ। समय से पहले चुनाव के लिए पशिनयान प्रधानमंत्री पद से हट गए थे और वह वर्तमान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं। चुनावी मैदान में 21 राजनीतिक दल और चार गठबंधन हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला दो राजनीतिक शक्तियों-पशिनयान के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ 'सिविक कॉन्ट्रैक्ट पार्टी' और पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट कोचरयान के 'आर्मीनिया अलायंस' के बीच है।

परमाणु समझौते को लेकर ईरान और पांच शक्तिशाली देशों के राजनयिकों की वियना में हुई बैठक

वियना। (एजेंसी)।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 2015 में किए गए ऐतिहासिक परमाणु समझौते को दोबारा लागू करवाने को लेकर रविवार को ईरान और दुनिया के पांच शक्तिशाली देशों के राजनयिकों के बीच बातचीत हुई। ईरान के कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख इब्राहिम रईसी की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद रविवार को इस तरह की यह पहली आधिकारिक बैठक थी। बैठक में शामिल कई राजनयिकों ने कहा कि उन्होंने जिन मुद्दों पर बातचीत की है, उन्हें संबंधित देशों की सरकारों द्वारा मंजूरी मिलना जरूरी है। बैठक में इस बात को लेकर भी चिंता जताई गयी कि ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति परमाणु समझौते को दोबारा लागू करवाने में अड़चन पैदा कर सकते हैं।

चीन, जर्मनी, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और ईरान के वरिष्ठ राजनयिकों ने ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना के एक होटल में छठे दौर की बातचीत के तहत अंतिम बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता करने वाले यूरोपीय संघ के अधिकारी एनरिक मोरा ने संवाददाताओं सेकहा, '' हम एक समझौते के करीब पहुंच गए हैं, लेकिन अब तक उसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हमने समझौते के कई तकनीकी पहलुओं पर सार्थक चर्चा की है। समझौते के तकनीकी पहलुओं से जुड़े हुए दस्तावेज पहले से अधिक स्पष्ट हुए हैं। इसके कारण हमें यह पता चल सका है कि समझौते में बाधा बन रही राजनीतिक समस्याएं क्या हैं।'' मोरा ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। इस बातचीत के लिए रूस के शीर्ष प्रतिनिधि मिखाइल उल्यानोव ने शनिवार को एक ट्वीट में लिखा कि संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के सदस्य वियना में होने वाली वार्ता में आगे की योजना पर फैसला करेंगे।

हालांकि, ईरान परमाणु समझौते को दोबारा लागू करने के लिए योजना करीब-करीब तैयार कर ली गयी है, लेकिन इसको लेकर अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि जेसीपीओए समझौते के लगभग सभी दस्तावेजों को लेकर बेहतर बातचीत हुई और इसमें शामिल राजनयिक शीघ्र ही अपने गृह देशों की ओर लौट आएंगे। राजनयिक अब अपने-अपने देशों की सरकारों से न सिर्फ सलाह-मशविरा करेंगे बल्कि अंतिम फैसले के लिये भी चर्चा करेंगे। ईरान की अर्ध सरकारी संवाद समिति मेहर के मुताबिक, अराघची ने कहा, 'अब हम ऐसी स्थिति में हैं कि हमें लगता है कि समझौते के दस्तावेज लगभग तैयार कर लिए गए हैं। कुछ मुद्दों पर विवाद बना हुआ है जबकि कुछ मुद्दे सुलझा लिए गए हैं।'

वियना में होने वाली वार्ता में अमेरिका शामिल नहीं हुआ, क्योंकि 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐतिहासिक परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर करने और ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने हालांकि कुछ शर्तों के साथ परमाणु समझौते में दोबारा शामिल होने की इच्छा जाहिर की है। वियना में अमेरिका का एक प्रतिनिधिमंडल अन्य देशों के राजनयिकों के जरिए ईरान के साथ अप्रत्यक्ष रूप से बातचीत में शामिल हो रहा है। ईरान के कट्टर न्यायपालिका प्रमुख इब्राहिम रईसी की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद रविवार को हुई इस तरह की यह पहली मुलाकात थी। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के कारण वियना में हुई बैठक को अधिक तवज्जो नहीं दी गयी।

रईसी के सत्ता में आने से ईरान में कट्टरपंथियों का वर्चस्व बढ़ जाएगा क्योंकि उन्हें देश के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का काफी नजदीकी माना जाता है। रईसी ईरान के पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे जिन पर अमेरिका 1988 में बड़े पैमाने पर लोगों को फांसी देने के कार्य में शामिल होने का आरोप लगाकर प्रतिबंध लगा चुका है। ईरान तेजी से यूरेनियम संवर्धन के कार्य में जुटा हुआ है, हालांकि हथियार बनाने से वह अभी दूर है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक की हत्या के बाद इजराइल और अमेरिका के साथ उसके संबंध बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजराइल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने परमाणु समझौते में शामिल देशों को रविवार को आगाह करते हुए कहा कि रईसी का ईरान का नया राष्ट्रपति चुना जाना अंतिम अवसर है जब वैश्विक शक्तियां संभल जाएं और इस बात पर गौर करें कि वे किसके साथ बातचीत कर रहे हैं। बेनेट ने ईरान के नेताओं की निंदा करते हुए कहा, 'ये लोग हत्यारे हैं। इन्होंने सामूहिक तौर पर लोगों की हत्याएं की हैं। इन लोगों के पास ऐसे हथियार नहीं आने चाहिए, जिससे कि यह लाखों लोगों की हत्याएं कर सकें।' दरअसल, इजराइल लंबे समय से यह कहता आया है कि वो अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता है और उसे परमाणु हथियार बनाने नहीं देगा। इस बीच, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रईसी के ईरान के नये राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने से वियना में हुई बातचीत प्रभावित नहीं होगी।

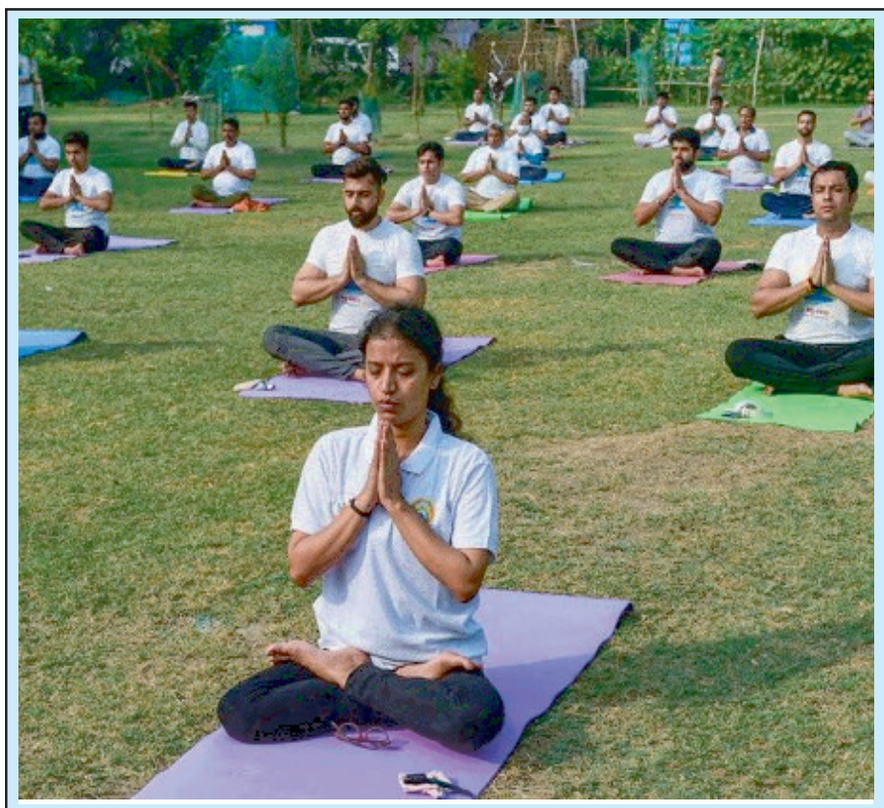

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नई दिल्ली में योग करते लोग।

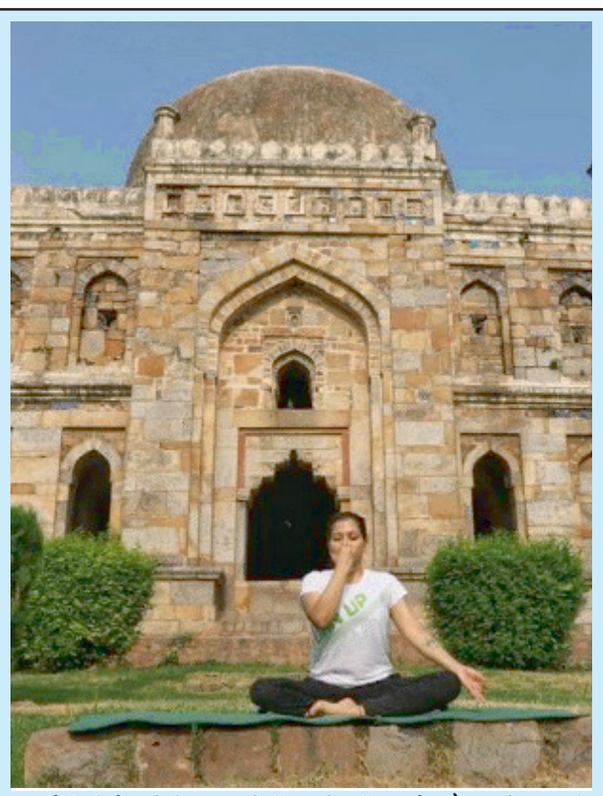

नई दिल्ली के लोधी उद्यान में विश्व योग दिवस के दौरान योग करती एक प्रतिभागी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नई दिल्ली के लाल किले पर योग करते लोग।

ध्यान एवं योग विज्ञान केंद्र की शुरूआत होने पर मुझे बहुत खुशी : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम ने कहा कि अगर 20, 25, 30, 40 लोग अपना एक ग्रुप बनाकर दिल्ली सरकार को फोन करें और कहें कि हमें योग सीखना है, तो दिल्ली सरकार उनको इंस्ट्रक्टर मुफ्त में उपलब्ध कराएगी। वे लोग योग सीखने के लिए इंस्ट्रक्टर को अपनी आरडब्ल्यूए, किसी पार्क या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर वह बुला लें। अगर इतने लोगों का ग्रुप मिल कर कहते हैं कि हमें योग सीखना, तो उन्हें इंस्ट्रक्टर दिल्ली सरकार मुफ्त में देगी। मुझे लगा कि लोगों को योग के प्रति खींचने का यह एक बड़ा सरल तरीका है। इस सपने के साथ हम लोगों ने इस साल बजट के अंदर प्रावधान किया और हमने सोचा था कि हम इसको पूरी शिद्दत के साथ शुरू करेंगे। जैसे ही एक अप्रैल से बजट लागू हुआ, उसके बाद कोरोना आ गया। आप यकीन मानिए, मैं अपने मन में यह सोच कर बैठा था कि अभी इसका काम शुरू नहीं हुआ है, लेकिन अभी पहले भर पहले डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने मुझसे इसके कार्यक्रम के लिए समय मांगा, तब मुझे पता चला कि यह शुरू हो गया है। आप सब लोगों ने इतने कठिन समय में, जब पूरी दिल्ली, पूरा देश कोरोना से जूझ रहा था, इसे जारी रखा और आज इसका हम उद्घाटन कर रहे हैं। मैं बता नहीं सकता हूं कि आज मुझे कितनी खुशी हो रही है।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि संभावना है कि आगामी दो अक्टूबर से हम इसको जनता के बीच ले जाने के लिए तैयार होंगे। आज हमारे सामने जो 450 योग इंस्ट्रक्टर हैं, वह योगा इंस्ट्रक्टर तब तक तैयार हो जाएंगे और दो अक्टूबर से हम वास्तविकता में दिल्ली के लोगों को यह कॉल दे पाएंगे कि अगर आप अपने यहां योगा कराना चाहते हैं, तो आप हमें बताइए। हम आपको टीचर मुफ्त में उपलब्ध कराएंगे। अभी कम शिक्षक हैं और हो सकता है कि हम सारे लोगों को एक साथ शिक्षक उपलब्ध नहीं करा पाएं, लेकिन यह एक अच्छी शुरूआत हो गई है। बहुत कम समय में इस पूरे कार्यक्रम को डिजाइन किया गया है।

सीएम ने कहा, मै समझता हूं कि इस समय लोगों को सबसे ज्यादा योग की जरूरत महसूस हो रही है। जब लोग आपस में बात करते हैं कि इसको कोरोना हो गया, उसको कोरोना नहीं हुआ। जब लोग आपस में बात करते हैं कि इसको तो माइल्ड कोरोना हुआ, उसको तो बड़ा तेज कोरोना हुआ, तो फिर लोग आपस में बात करते हैं कि इसकी तो इम्यूनिटी ज्यादा है, इस वजह इसको कोरोना नहीं हुया या इस वजह से इसको कोरोना कम हुआ। अब यह इम्युनिटी शब्द हर आदमी की जुबान पर है। यह इम्युनिटी कैसे आएगी। यह इम्युनिटी तो जीवन शैली को ठीक रखने से आएगी। यह इम्युनिटी तो योग करने से आएगी। योग, लोगों को इम्यूनिटी प्रदान करेगा और अंदर से शक्ति देगा और लोगों को स्वस्थ रखेगा। मैं समझता हूं कि इस वक्त लोगों में सबसे ज्यादा मांग योग होगी। दोनों तरह से, एक तो कोरोना से बचने के लिए, योगा करेंगे तो आपकी इम्यूनिटी अच्छी होगी। आपकी अगर इम्युनिटी अच्छी होगी, तो आप कोरोना से बचेंगे। और दूसरा यह कि जिन लोगों को कोरोना की गंभीर बीमारी हुई होती है, तो उनको पोस्ट कोविड (ठीक होने के बाद) में शारीरिक और मानसिक जरूरतें ज्यादा बढ़ जाती हैं, उनको शारीरिक और मानसिक तौर पर एक्सरसाइज और मेडिटेशन दोनों की बहुत सख्त जरूरत होती है। करोना के दौरान मुख्य रूप से फेफड़े (लंग) और ऑक्सीजन की सबसे ज्यादा समस्या होती है। मैं समझता हूं कि पोस्ट कोविड-19 के दौरान हम प्रणायाम आदि सिखाएंगे, तो इसका लोगों को काफी लाभ मिलेगा। मैं समझता हूं कि कोरोना काल के अंदर योग का सबसे ज्यादा महत्व है। ऐसे समय में यह योग का कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में शुरू किया जा रहा है। इसके लिए मैं बेहद खुश हूं और दिल्ली की जनता को बधाई देता हूं कि दिल्ली की जनता के लिए आज इतना शानदार कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

स्वस्थ जीवन जीने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को अपनी दिनचर्या का अंग बनाएँ : ओम बिरला

(संवाददाता)

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों से अपील की कि वे स्वस्थ जीवन जीने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को अपनी दिनचर्या का अंग बनाएँ। बिरला ने कहा कि योग एक संपूर्ण पद्धति है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन करती है और समाज को संतुलित वातावरण और शांति के पथ पर अग्रसर करती है। बिरला ने नई दिल्ली स्थित अपने आवास के लॉन में अपनी पत्नी, श्रीमती अमिता बिरला और पुत्री के साथ योगाभ्यास किया। इसके बाद, लोक सभा अध्यक्ष ने नॉर्थ एवेन्यू, साउथ एवेन्यू और जाकिर हुसैन मार्ग पर संसद सदस्यों, उनके परिवार के सदस्यों और पर्सनल स्टाफ के लिए कार्यरत टीकाकरण केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बिरला ने कहा टीकाकरण कोविड-19 से बचाव का प्रभावी साधन है। केन्द्र और राज्य सरकारें टीकाकरण अभियान के दायरे का विस्तार कर रही हैं जिससे कोविड झ्र 19 को शीघ्र समाप्त करने में मदद मिलेगी। बिरला ने संसद सदस्यों से अपील की कि वे टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए अपने निर्वाचनक्षेत्रों में अधिकाधिक लोगों को टीका लगवाने के लिए

दिल्ली सरकार ने राजधानी में वृक्ष प्रत्यारोपण करने के लिए चार एजेंसियों के पैनल को मंजूरी दी : गोपाल राय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पिछले साल महत्वाकांक्षी वृक्ष प्रत्यारोपण नीति लागू की थी। दिल्ली सरकार के पर्यावरण एवं वन विभाग ने विस्तृत विचार-विमर्श और परीक्षण के बाद राजधानी में वृक्ष प्रत्यारोपण करने के लिए चार एजेंसियों के पैनल को मंजूरी दे दी है। चार एजेंसियों रोहित नर्सरी नई दिल्ली, डीडी एमईपी इंजीनियर्स गुरुग्राम, ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर हैदराबाद और आरपी एंटरप्रिन्योर्स को मंजूरी दी गई है। दिल्ली में किसी भी परियोजना साइट से वृक्ष प्रत्यारोपण करने के लिए सिर्फ सूचीबद्ध एजेंसियों में से किसी एजेंसी का चयन करना होगा।

श्री राय ने बताया कि ट्री ट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी 2020 को पिछले साल के अंत में अधिसूचित किया गया था। जिसके तहत विकास परियोजनाओं/कार्यों स्थल के पेड़ों को अनावश्यक रूप से नहीं हटाया जाएगा। परियोजना स्थल पर मौजूद पेड़ों को सावधानीपूर्वक दूसरे स्थान पर ट्रांसप्लांट किया जाएगा।

साइट पर पेड़ों के संरक्षण की संभावना न होने की स्थिति में कम से कम 80 फीसदी पेड़ों को वैज्ञानिक रूप से प्रत्यारोपित करना होगा। वृक्षारोपण नीति द्वारा प्रतिरोपित वृक्षों में से एक साल बाद कम से कम 80 फीसदी पेड़ों का जीवित रहना भी अनिवार्य है। इसके अलावा प्रत्येक काटे गए और प्रत्यारोपित पेड़ के एवज में दस गुना वृक्षारोपण किया जाना अनिवार्य है।

वृक्षों के प्रतिरोपण का कार्य सरकार द्वारा पैनल में शामिल तकनीकी एजेंसी के माध्यम से किया जाना है। एजेंसियों के पैनल के लिए न्यूनतम तकनीकी पात्रता मानदंड तय किए गए। इसके बाद प्रस्तावों की जांच करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था।

वन और वन्यजीव विभाग द्वारा प्रकाशित विज्ञापन के बाद 13 एजेंसियों ने आवेदन किया। तय मानदंडों को पूरा न करने के कारण 9 एजेंसियों के आवेदन को निरस्त कर दिया गया था। विशेषज्ञ समिति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श और परीक्षण के बाद सरकार ने चार एजेंसियों के पैनल को मंजूरी दी है। चार एजेंसियों रोहित नर्सरी नई दिल्ली, डीडी एमईपी इंजीनियर्स गुरुग्राम , ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर, प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद और आरपी एंटरप्रिन्योर्स को मंजूरी दी गई है। दिल्ली में किसी भी परियोजना साइट से वृक्ष प्रत्यारोपण करने के लिए सिर्फ सूचीबद्ध एजेंसियों में से किसी एजेंसी का चयन करना होगा।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : उपराज्यपाल बैजल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को लोगों से योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बैजल ने कहा कि कोविड-19 के दौरान योग का महत्व और बढ़ गया है और यह रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है। बैजल ने ट्वीट किया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई। कोविड-19 के इस काल में योग का महत्त्व और भी अधिक है। इसके नियमित अभ्यास से हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर कर सकते हैं। आइये हम सब योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनायें। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आइए संकल्प लें, योग और साधना को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का। महामारी के इस मुश्किल वक्त में अपना ध्यान रखें, स्वस्थ रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए प्रस्ताव को 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के स्वीकार करने के बाद से विश्वभर में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

30 जून को फिर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे किसान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना की रफ्तार कम हो गई है। अधिकतर राज्य धीरे-धीरे अनलॉक की तरफ बढ़ रहे हैं। इस बी किसान भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में जुट गए हैं। देश में किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। देशभर में जारी विरोध प्रदर्शन का करीब सात महीने होने वाले हैं। ऐसे में एक बार फिर से किसान आंदोलन में तेजी लाने की कवायद की जा रही है। इसको देखते हुए किसान 30 जून को एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने 30 जून को देशभर के सभी प्रदर्शन स्थलों पर हूल क्रांति दिवस मनाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन अपने सातवें महीने के करीब है। किसानों के मुताबिक, स्थानीय इलाकों के ग्रामीण और खाप भी 30 जून को होने जा रहे किसान विरोध प्रदर्शन का समर्थन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 30 जून को जनजातीय क्षेत्रों के सदस्यों को धरना स्थलों पर आमंत्रित किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के मुताबिक, हमने सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा पर स्थित ग्राम सेलागर के आदिवासियों को अपना पूरा समर्थन दिया है, जो लोग क्षेत्र में सीआरपीएफ शिविर स्थापित करने के सरकार के फैसले के खिलाफ लड़ रहे हैं। यह जमीन बिना किसी रेफरल के ली जा रही है। इसके साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा ने हरियाणा में भाजपा नेताओं, जजपा नेताओं के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखने और इन नेताओं के प्रवेश का विरोध करने का भी फैसला किया है। कार्यकताओं का एक बड़ा दल रविवार को सिंधु बॉर्डर क्षेत्र धरना स्थल पर पहुंचा। इसी तरह और भी कई प्रदर्शनकारी गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर इलाकों में पहुंच रहे हैं। 26 जून को किसानों का धरना किसान संगठन आंदोलन के सात महीने पूरे होने पर 26 जून को देशभर में राजभवनों पर विरोध प्रदर्शन करेंग। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि वे 26 जून को अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान काले झंडे दिखाएंगे और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को ज्ञापन भेजेंगे। जुलाई में राज्यों के सभी छोटे-बड़े किसान संगठनों को दिल्ली आने और राज्यों में ही छोटे प्रदर्शनो के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के तीनों नए कृषि कानूनों के खिलाफ एक बार फिर किसान संगठन देशभर में आवाज बुलंद करने की तैयारी में हैं।

नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस दल के नेता अभिषेक दत्त पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए।

सिसोदिया ने स्कूलों का किया निरीक्षण, नए बन रहे स्कूल भवनों के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली सरकार के कई स्कूलों का सोमवार को दौरा किया और वहां जारी निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने निर्माण गतिविधियों का जायजा लेने के लिए पुर्वी दिल्ली के 4 सरकारी स्कूलों एसकेवी कोंडली, जीजीएसएसएस कल्याणपुरी, गवर्मेंट को-एड स्कूल, आई.पी. एक्सटेंशन और गवर्मेंट को-एड सीनियर सेकंडरी स्कूल,प्रीत विहार का सोमवार को दौरा किया। इन स्कूलों में नई बिल्डिंग ब्लॉक्स कक्षाओं का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के बाद अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए और ये सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि बच्चों के लिए बन रहे क्लासरूम के निर्माण में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्लासरूम को बच्चों के मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जाए ताकि छोटे बच्चों को अपने रंग-बिरंगे कक्षाओं को देखकर खुशी मिले और उन्हें सौंदर्यबोध का एहसास हो सके।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के इस संकट में हम बच्चों को उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए स्कूलों में तो नहीं बुला रहे। लेकिन उनकी पढ़ाई की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत सुविधाओं वाले क्लासरूम का निर्माण तेजी से करवा रहे है। ताकि जब बच्चे वापिस स्कूलों में आए तो नए-चमचमाते क्लासरूम बच्चों का स्कूल में स्वागत करें।

एसकेवी कोंडली के नए क्लासरूम ब्लॉक में 20 नई कक्षाओं का निर्माण किया जा रहा है। यहां अब तक 97% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और जुन 2021 के अंत तक सभी निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे। जीजीएसएसएस कल्याणपुरी में भी 20 नई कक्षाओं वाले ब्लॉक का निर्माण कार्य 92% हो चुका है जो जुलाई 2021 तक पूरा हो जाएगा। गवर्मेंट को-एड स्कूल, आई.पी. एक्सटेंशन में 84 क्लासरूम के नए ब्लॉक का काम 90% हो चुका है जो जुलाई 2021 तक पूरा हो जाएगा। और गवर्मेंट को-एड सीनियर सेकंडरी स्कूल, प्रीत विहार में 48 क्लासरूम के नए ब्लॉक का निर्माण 80% हो गया जो अगस्त 2021 तक पूरा हो जाएगा।

संपादकीय

हमें जनगणना की जरूरत क्यों है

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) घटकर 'एक्स' फीसदी हो गया है; 18 से 44 आयु-वर्ग में जोखिम का खतरा 'वाई' फीसदी रहता है; उत्तर प्रदेश में 'जेड' लाख ग्रामीणों को अब तक बिजली की सुविधा नहीं मिल सकी है- इस तरह की सुर्खियां आप रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं। मगर क्या कभी आपने यह सोचा है कि भला कैसे कोई लेखक 'एक्स', 'वाई' या 'जेड' जैसे सटीक आंकड़े जान लेता है, जबकि इसके लिए संबंधित इलाके के हर व्यक्ति की गिनती भी नहीं की जाती? दरअसल, संबंधित इलाके, राज्य अथवा देश के कुछ लोगों से जानकारियां इकट्ठा करके यह आकलन किया जाता है, और आबादी के इस छोटे या सैंपल डाटा को दिखाने के लिए जिस बड़े आंकड़े को आधार बनाया जाता है, वह है देश की दशकीय जनगणना। 19वीं सदी के मध्य तक ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत पर करीब-करीब पूरा कब्जा कर लिया था। 1858 में, ब्रिटिश संसद में भारत सरकार अधिनियम, 1858 पारित किया गया, जिसके तहत भारतीय उपनिवेश का नियंत्रण कंपनी से लेकर ब्रिटिश राजशाही को सौंप दिया गया। मगर शासन स्थापित करने के लिए ब्रिटिश सरकार को लोगों और उनकी रिहाइश को लेकर विस्तृत और विश्वसनीय डाटा की जरूरत थी। आखिरकार, वह कैसे तय कर सकती थी कि उनकी महारानी ने भारत पर अपना प्रभुत्व कायम रखने के लिए जो अमानवीय टैक्स लगाया है, वह देश के हर निवासी से वसूला जाए?

औपनिवेशिक सत्ता को पता था कि क्या करना है। वह 1801 से ही इसे अपने यहां कर रही थी। इस कवायद को 'सेन्सस', यानी जनगणना कहा गया, जो लैटिन शब्द 'सेंसेर' से निकला है। रजिस्ट्रार जनरल ऐंड सेन्सस कमिश्नर के कार्यालय बनाए गए और 1881 में भारत में पहली बार जनगणना हुई। बेशक जनगणना का मूल उद्देश्य जबरन वसूली की मंशा को पूरा करना था, लेकिन इसका लाभ कई विभागों को मिला। शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षा की अपनी योजना बनाने में इसका इस्तेमाल किया। लोक-निर्माण विभाग ने इसका उपयोग सड़क नेटवर्क की योजना बनाने में किया। बिजली संयंत्र स्थापित करने और ग्रिड तक ट्रंक लाइन लगाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। और, रेलवे ने पटरियां बिछाने की योजना बनाने में इसका उपयोग किया। जनगणना के आंकड़ों ने जैसे ही बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया, लोगों की बड़े पैमाने पर आवाजाही बढ़ गई। बंबई, कलकत्ता और मद्रास जैसे बंदरगाह वाले शहरों का तेज विकास हुआ, क्योंकि रेल नेटवर्क से उन्हें निकट और सुदूर इलाकों से जोड़ा गया।

औपनिवेशिक राज की कई परंपराएं 1947 के बाद भी कायम रहीं। सौभाग्य से जनगणना भी उनमें से एक है। अमूमन पांच या दस साल पर होने वाली जनगणना को राष्ट्रीय संसाधनों के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य माना जाता है। अमेरिका दशक के अंत में जनगणना करता है, जो 2020 में कोविड-19 के बावजूद पूरा किया गया, तो चीन ने भी पिछले साल अपनी दशकीय जनगणना पूरी की है। भारत में पिछली बार 2010 में गिनती शुरू हुई थी, जो 2011 में पूरी हुई। अपने यहां इसका बुनियाद परिवार सर्वे है। मगर यह सर्वे पिछले साल जैसे मृतप्राय- रहा। अब तो हम 2021 के मध्य में आ चुके हैं, लेकिन जनगणना का अब तक कोई संकेत नहीं मिल रहा है। सवाल है, 2021 की जनगणना की परवाह आखिर हमें क्यों नहीं करनी चाहिए? पहली वजह, अब हम यह जानते हैं कि सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन का जितना ऑर्डर दिया, वह आबादी के घनत्व को ध्यान में रखकर नहीं दिया जा सका था। जनगणना से न सिर्फ हमें यह पता होता है कि देश में कितने लोग रहते हैं, बल्कि उनकी उम्र, लिंग, मूल निवास, परिवार और शिक्षा का स्तर भी हम जान लेते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना में ऐसे सभी विवरण मौजूद हैं, जनगणना होने पर 2021 में भी ये हमारे पास होते।

दूसरा कारण, 2026 में अगली परिसीमन प्रक्रिया के खत्म होने पर लोकसभा में राजनीतिक संतुलन बदल जाएगा। यदि प्रतिनिधित्व का आधार जनसंख्या है, तो जिन राज्यों में जनसंख्या प्रबंधन की हालत खस्ता है (विशेष रूप से हिंदी पट्टी में), संसद में उनकी नुमाइंदगी काफी बढ़ जाएगी। दक्षिण व पश्चिम भारत को नुकसान होगा। जाहिर है, परिसीमन के लिए भी हमें जनगणना के तमाम पहलुओं पर गौर करना होगा। तीसरा, संघ और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे की वित्त आयोग निगरानी करता है। वस्तु एवं सेवा कर, यानी जीएसटी इस वितरण को और विवादास्पद बना देता है। राजस्व के निर्धारण में भी जनसंख्या अहम भूमिका निभाती है। चौथा, देश में सांप्रदायिक राजनीति जारी है। कई नेता यह आरोप लगाते हैं कि बहुसंख्यक आबादी घट रही है और अल्पसंख्यकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। जमीनी हकीकत जानने के लिए जनगणना एक अखिल भारतीय प्रक्रिया है। यह न सिर्फ हमें आबादी की संख्या बताती है, बल्कि जन्म व मृत्यु दर, प्रजनन दर, सकल और शुद्ध जन्म दर, नवजात मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर जैसे आंकड़े भी हमारे सामने रखती है। ध्रुवीकरण की राजनीति को जनगणना बेपरदा कर सकती है। पांच, आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की बात चल रही है। आखिर उन निवेशों का आधार क्या होगा? इससे जुड़े कई सवाल हैं, जैसे- अहमदाबाद से मुंबई के लिए बुलेट ट्रेन क्या एक अच्छी योजना है? किन रेल मार्गों को और मजबूत करने की दरकार है? सड़क, नदी, समुद्री और हवाई परिवहन के बुनियादी ढांचे को किस तरह से सुधारा जाना चाहिए? किसानों को अपनी उपज पर पर्याप्त फायदा कैसे मिलेगा? सबसे अच्छा मॉडल क्या है? जनगणना इन तमाम सवालों का उचित जवाब दे सकती है, जिससे योजनाकारों को यह पता चलेगा कि इन सबसे कौन लाभान्वित होगा, कितना होगा और किस कीमत पर होगा? और आखिरी कारण, सामाजिक जीवन में टीवी जिस तरह से शामिल है, उसे देखते हुए क्या हम यह कह सकते हैं कि बार्क रेटिंग चैनलों या टेलीविजन शो के देखने का असल पैटर्न बताती है? क्या 2021 में ग्रामीण दर्शक वाकई शहरी दर्शकों से ज्यादा हो जाएंगे? व्यूइंग पैनल द्वारा बार्क डाटा जमा करती है, और जनगणना के आधार पर रेटिंग तय करती है। जब जनसंख्या का आंकड़ा ही गलत है, तो रेंटग क्या सही हो सकती है?

प्रवीण कुमार सिंह

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, दोनों का उद्देश्य मानवता का स्वास्थ्य है

दोनों का विकास वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हुआ है। दोनों विज्ञान हैं। दोनों की सीमा भी है। डायबिटीज से विश्व का बड़ा भाग पीड़ित है। इस रोग को समाप्त करने की दवा नहीं है। दोनों प्रणालियों को मिलाने की जरूरत है। कुछ बीमारियों का उपचार पहले आयुर्वेद को सौंपा जा सकता है। इसी तरह कुछ रोगों का प्रारंभिक उपचार आधुनिक चिकित्सा विज्ञानी करें। बाद का उपचार आयुर्विज्ञानी करें। दोनों के विशेषज्ञों में सतत संवाद चलते रहने की व्यवस्था करनी चाहिए। प्राचीनता और आधुनिकता का संगम राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में फलप्रद होता है।

स्वस्थ जीवन और दीर्घायु सर्वोच्च अभिलाषा है। रोग रहित जीवन और स्वस्थ जीवन में अंतर है। रोगी शरीर में अंतर्संगीत नहीं होता। आयुर्वेद आचार आधारित आर्युविज्ञान है और एलोपैथी उपचार आधारित चिकित्सा विज्ञान। स्वस्थ जीवन के लिए दोनों उपयोगी हैं, लेकिन यहां दोनों के समर्थक विद्वानों में परस्पर भिड़ंत है। शरीर रहस्यपूर्ण संरचना है। इसकी आंतरिक गतिविधि का बड़ा भाग जान लिया गया है। चिकित्सा विज्ञानियों को इसका श्रेय है। आयुर्वेद का जन्म लगभग 4000 वर्ष ईपू ऋग्वेद के रचनाकाल में हुआ और विकास अथर्ववेद (3000-2000 ईपू) में। मैकडनल और कीथ ने 'वैदिक इंडेक्स' में लिखा है, 'भारतीयों की रुचि शरीर रचना संबंधी प्रश्नों की ओर बहुत पहले से थी। अथर्ववेद में अनेक अंगों के विवरण हैं और यह गणना सुव्यवस्थित है।' इन लेखकों ने आयुर्वेद के दो आचार्यों चरक और सुश्रुत का उल्लेख किया है।

यूरोप में एलोपैथी का विकास 16वीं-17वीं सदी के आसपास हुआ। एचएस मेन ने लिखा है, 'भारतीयों ने चिकित्सा शास्त्र का विकास स्वतंत्र रूप से किया। पाणिनि के व्याकरण में विशेष रोगों के नाम हैं। अरब चिकित्सा प्रणाली की आधार शिला संस्कृत ग्रंथों के अनुवादों पर रखी गई। यूरोपीय चिकित्सा शास्त्र का आधार 17वीं सदी तक अरब चिकित्सा शास्त्र ही था।' एलोपैथी सुव्यवस्थित आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। इस चिकित्सा का नाम होम्योपैथी के जन्मदाता जर्मन चिकित्सक डा. सैमुअल हैनीमैन ने एलोपैथी रखा था। इसका अर्थ अलग या भिन्न मार्ग है। इसे पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान/आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी कहते हैं। इसका चिकित्सातंत्र बड़ा है और शोध का दायरा भी।

इसने जानलेवा बीमारियों से करोड़ों लोगों को पुनर्जीवन दिया है। सर्जरी, रेडिएशन, सीटी स्कैन, एमआरआइ सहित तमाम घटक विस्मयकारी हैं। कोविड महामारी के दौरान लाखों मरीजों की जांच हुई। सर्वथा नए वायरस की जांच और उपचार विस्मयकारी है। अल्पसमय में कोरोना से बचाव का टीका भी कम आश्चर्यजनक नहीं। जीवन की परवाह त्यागते हुए उपचार करने वाले विज्ञानी, चिकित्सक और पैरा मेडिकल स्टाफ प्रशंसनीय हैं। आयुर्वेद आयु का विज्ञान है। यह चिकित्सा विज्ञान होने के साथ स्वस्थ रहने की जीवन शैली भी है। चरक संहिता की शुरुआत जीवन सूत्रों से होती है। कहते हैं, 'यहां बताए गए स्वस्थव्रत का पालन करने वाले सौ वर्ष की स्वस्थ आयु पाते हैं। आरोग्य सुख है और रोग दुख। दुख का कारण रोग है।' फिर रोगों का कारण बताते हैं, 'इंद्रिय विषयों का अतियोग, अयोग और मिथ्यायोग ही रोगों के कारण हैं।' रोगों से बचने के लिए जीवन शैली प्राकृतिक होनी चाहिए। महामारी के दीर्घकाल में रोग निरोधक शक्ति की चर्चा पूरे देश में थी। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में इसकी प्रभावी दवा नहीं है। आयुर्वेद में गिलोय सहित अनेक औषधियां हैं। महामारी की अवधि में ऐसी ही औषाधियों की लाखों टन खपत बढ़ी। अश्वगंधा, जटामांसी, गुग्गुल जैसी औषधियों का प्रयोग बढ़ा है। चरक संहिता में सैकड़ों रोगों के उपचार हैं।

अवसाद की भी औषधि है। बेशक सर्जरी नहीं है। ज्वर के उत्ताप पर भी वैदिक ऋषि सजग थे। कहते हैं, 'कुछ ज्वर एक दिन छोड़कर, कुछ दो दिन बाद आते हैं। ज्वर अपने साथ परिवार भी लाता है। यह अपने भाई कफ के साथ आता है। खांसी इसकी बहन है। राजयक्ष्मा भतीजा है। इनकी औषधियां हैं।' कोरोना के समय रोगी को समाज से अलग रखने की जरूरत हुई। अथर्ववेद (2.9) में कहते हैं, 'रोग के कारण समाज से अलग रहे व्यक्ति पुन- जनसंपर्क में जाएं।'

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में अनेक बीमारियों से बचने की औषधियां नहीं हैं। वैक्सीन इसका अपवाद है। आयुर्वेद में शरीर की रोग निरोधक क्षमता बढ़ाने की औषधियां हैं। यह क्षमता बढ़ाकर रोगों का प्रकोप रोका जा सकता है। कुछ विद्वानों का कहना है कि एलोपैथी में सामान्य रोगों को दबाने की दवा दी जाती है। एसीटाइल सैलिसिलिक एसिड रक्त को तरल बनाने की दवा बताई जाती है। चिकित्सक इसे हार्ट अटैक से बचने की दवा बताते हैं। आयुर्वेद में रक्त तरलता की औषधियां हैं। आधुनिक चिकित्सा में साइड एफेक्ट बड़ी समस्या है। तमाम एलोपैथिक औषधियां रोग के साथ रोगी को भी पीटती हैं। रोगी को तत्काल राहत के लिए ऐसी औषधियों की उपयोगिता है। स्टरायड खतरनाक दवा है। कह सकते हैं कि इसका प्रभावी विकल्प नहीं है। औषधि विज्ञान के क्षेत्र में विकल्पहीनता उचित नहीं। ऐसे मामलों में शोध की आवश्यकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में निरंतर शोध चलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन संसूचित रहता है। पहले शोध और फिर किन्हीं जीवों पर प्रभाव का आकलन। फिर मनुष्यों पर दवा के प्रभाव का आकलन। लगातार शोध से चिकित्सा विज्ञान समृद्ध होता है। ज्ञान-विज्ञान क्षेत्रीय नहीं होते। वे शोध सिद्धि के बाद सार्वजनिक संपदा बन जाते हैं। आयुर्वेद आयु का वेद विज्ञान है। इसमें भोजन, पाचन, श्वसन, चिंतन, तनाव, स्मृति और निद्रा भी स्वस्थ रहने के विषय हैं। आयुर्वेद में भी लगातार शोध की आवश्यकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। दोनों का उद्देश्य मानवता का स्वास्थ्य है। दोनों को परस्पर ज्ञान का आदान-प्रदान करना चाहिए। इस या उस चिकित्सा प्रणाली की खामियां निकालने का कोई उपयोग नहीं है। दोनों पद्धतियों का लक्ष्य एक है। दोनों की अपनी विशेषता है।

दोनों का विकास वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हुआ है। दोनों विज्ञान हैं। दोनों की सीमा भी है। डायबिटीज से विश्व का बड़ा भाग पीड़ित है। इस रोग को समाप्त करने की दवा नहीं है। दोनों प्रणालियों को मिलाने की जरूरत है। कुछ बीमारियों का उपचार पहले आयुर्वेद को सौंपा जा सकता है। इसी तरह कुछ रोगों का प्रारंभिक उपचार आधुनिक चिकित्सा विज्ञानी करें। बाद का उपचार आयुर्विज्ञानी करें। दोनों के विशेषज्ञों में सतत संवाद चलते रहने की व्यवस्था करनी चाहिए। प्राचीनता और आधुनिकता का संगम राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में फलप्रद होता है। चिकित्सा और रोगोपचार के क्षेत्र में दोनों के विशेषज्ञ मिलकर शोध करें। आरोप-प्रत्यारोप का कोई औचित्य नहीं है।

कोरोना संक्रमण से देश के कलाकारों के सामने आर्थिक संकट, मदद के लिए सरकार की नीतियों का इंतजार

कोरोना संक्रमण के दौरान पूरे देश में कलाकारों के सामने बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। ये संकट आर्थिक है लेकिन इसका असर उनके मानस पर भी पड़ने लगा है। कोरोना की पहली लहर के दौरान भी कलाकारों के सामने आयोजन बंद होने से जीविकोपार्जन का संकट आ गया था। तब संस्कृति मंत्रालय की तरफ से ये आश्वासन दिया गया था कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से कलाकारों की एक सूची तैयार की जाएगी और उस सूची के आधार पर उनकी मदद की जाएगी। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से किन कलाकारों की मदद की गई या कितने कलाकारों को आर्थिक मदद दी गई ये ज्ञात नहीं हो पाया है। अगर सरकार ने इन केंद्रों के माध्यम से कलाकारों की मदद की है तो उस योजना का प्रचार कला जगत के लोगों के बीच इस तरह से किया जाना चाहिए कि ज्यादातर लोग उसका फायदा उठा सकें। ये इस वजह से क्योंकि सबसे अधिक परेशानी में वो कलाकार हैं जो बड़े कलाकारों के साथ संगत करते हैं।

बड़े गायकों के साथ तबले से लेकर अन्य वाद्य यंत्रों पर परफॉर्म करनेवाले कलाकारों के सामने आर्थिक समस्या विकराल है क्योंकि उनकी नियमित आय बंद हो गई है। नाटक में भी यही स्थिति है। बड़ा कालाकर तो अपनी आय से जीवन चला रहा है लेकिन जो तकनीशियन हैं, जो लाइटमैन हैं, जो साउंड के कर्मचारी हैं या इसी तरह से नेपथ्य में रहकर काम कर रहे हैं वो परेशान हैं। अनुमान ये है कि नाटक से जुड़े वैसे कलाकार जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं उनकी संख्या दो फीसदी है जबकि बाकी अट्ठानवे फीसदी लोग नाटकों के मंचन से होनेवाली नियमित आय पर निर्भर रहते हैं। सरकार प्रोडक्शन और रिपर्टरी ग्रांट तो दे रही है लेकिन नेशनल प्रजेंस वाली संस्थाएं अभी तक मदद की आस में हैं।

अभी कुछ दिनों पहले संस्कार भारती ने कलाकारों की मदद के उपायों पर विचार के एक गोष्ठी का आयोजन किया था, जिसमें देशभर के कला और संस्कृति से जुड़े लोगों ने भाग लिया था। उस बैठक का स्वर भी यही था कि कलाकारों को अपेक्षित मदद नहीं मिल पा रही है, लिहाजा संस्कार भारती को पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी आगे आना चाहिए। इसी तरह से अन्य संस्थाएं भी कलाकारों की मदद कर रही हैं पर ये नाकाफी है। संस्कृति मंत्रालय को संकट के समय संकट से निबटनेवाली योजनाएं बनानी चाहिए और जरूरत पड़ने पर नीतिगत बदलाव भी किए जाने चाहिए ताकि कोई नियम मदद में बाधा न बन सके। संस्कृति मंत्रालय के 2001-22 के बजट को देखें तो उसमें चार सौ पचपन करोड़ रुपए कला संस्कृति विकास योजना, संग्रहालय के विकास, जन्म शताब्दियों के आयोजन आदि के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर में संस्कृति से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के लिए एक सौ दो करोड़ आवंटित किए गए हैं। इन दोनों राशियों को मिलाकर देखें तो करीब साढे पांच सौ करोड़ से अधिक की राशि संस्कृति मंत्रालय के पास है जिसको प्रशासनिक फैसलों से कलाकारों की मदद की तरफ मोड़ा जा सकता है। इस आवंटन के तहत मंत्रालय को कोई ऐसी योजना बनानी चाहिए जिससे कि देशभर के विभिन्न हिस्सों में फैले रूपकंर कला के कलाकारों को मदद मिल सके। संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्तर पर काम करनेवाली जो अकादमियां हैं उनको भी आगे आकर मदद की पहल करनी चाहिए। संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय आदि जैसी संस्थाओं को एक साथ आकर समन्वय बनाकर कलाकारों और लेखकों की मदद करने के लिए कार्ययोजना बनाकर काम करना चाहिए। इन अकादमियों ने पूर्व में भी आकस्मिक परिस्थितियों में कलाकारों की आर्थिक मदद की है। जब चेन्नई में बाढ़ आई थी और कई कलाकारों के वाद्य यंत्र आदि पानी से नष्ट हो गए थे, उस वक्त संगीत नाटक अकादमी के चेयरमैन शेखर सेन ने अपनी पहल पर उनकी मदद की थी। इस वक्त कोरोना काल में इन अकादमियों की गतिविधियां भी लगभग ठप हैं। उनका व्यय भी न्यूनतम हो रहा है। बचे हुए धन को कलाकारों की मदद में उपयोग में लाया जा सकता है। इस काम में एक ही बाधा आ सकती है कि वो ये कि इन अकादमियों में से ज्यादातर में शीर्ष पद खाली हैं। संगीत नाटक अकादमी के चेयरमैन शेखर सेन का कार्यकाल 27 जनवरी 2020 को समाप्त हो गया लेकिन अबतक उस पद पर नियुक्ति नहीं हो सकी है। इसका असर काम काज पर पड़ता ही है। संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित पुरस्कार 2018 के बाद घोषित नहीं हो सके हैं। 2018 का पुरस्कार 2019 में घोषित हुआ था जो अबतक कलाकारों को प्रदान नहीं किए जा सके हैं। ललित कला अकादमी के चेयरमैन उत्तम पचारणे का कार्यकाल पिछले महीने की 21 तारीख को समाप्त हो गया। तीन साल का उनका कार्यकाल काफी विवादित रहा। उनके कार्यकाल के समाप्त होने के पहले नियुक्ति की प्रक्रिया आरंभ हो जानी चाहिए थी जो हो नहीं सकी।राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की वेब साइट के मुताबिक इसके निदेशक वामन केंद्रे का कार्यकाल सितंबर 2018 में समाप्त हो गया और उसके बाद कार्यकारी निदेशक सुरेश शर्मा संस्थान चला रहे हैं। यहां पिछले साल चेयरमैन के पद पर परेश रावल की नियुक्ति हुई लेकिन निदेशक का पद विज्ञापित होने के बाद भी अबतक भरा नहीं जा सका। इन पदों के खाली रहने का बड़ा नुकसान ये है कि बड़े फैसले नहीं हो पाते हैं क्योंकि उसके लिए शीर्ष स्तर की मंजूरी आवश्यक होती है।

महंगाई ने बढ़ाई मुसीबत

पेट्रोलियम गुड्स, कमॉडिटी और लो बेस इफेक्ट के कारण मई में थोक महंगाई दर 12.94 फीसदी और खुदरा महंगाई दर 6.30 फीसदी तक चली गई, जो पिछले 6 महीने में सबसे अधिक है। यह रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के 2-6 फीसदी के लक्ष्य से ज्यादा है। यह बुरी खबर है क्योंकि इससे आरबीआई पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का दबाव बढ़ेगा। यह बात और है कि वह ऐसा नहीं करेगा क्योंकि असल चिंता जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने की है। कोरोना महामारी की वजह से लॉकडाउन और मांग में कमी आने के कारण ग्रोथ कमजोर बनी हुई है। दूसरी तरफ, चीन, अमेरिका और अन्य अमीर देशों में आर्थिक गतिविधियां तेज हो रही हैं, जिससे कच्चे तेल और दूसरी कमॉडिटी के दाम और बढ़ेंगे। यानी आगे भी आरबीआई के लिए ग्रोथ और महंगाई दर के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। कमॉडिटी के अधिक दाम से उद्योग-धंधों पर भी बुरा असर पड़ेगा क्योंकि उनके लिए कच्चे माल की लागत बढ़ जाएगी। इससे मैन्युफैक्चर्ड गुड्स और महंगे होंगे। इसे कोर इन्फ्लेशन कहते हैं। इसमें पेट्रोलियम गुड्स और खाने-पीने की महंगाई दर शामिल नहीं होती। मई में यह पिछले 83 महीनों में सबसे अधिक रही। इसका मतलब यह है कि कंपनियां कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने जनवरी-मार्च तिमाही में 1,481 कंपनियों के नतीजों का विश्लेषण किया तो पता चला कि उन्हें 1.8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनके प्रॉफिट मार्जिन में बढ़ोतरी है। यह मार्जिन उन्हें सामान के दाम बढ़ाने से मिल रहा है। इसे हेल्दी नहीं माना जा सकता क्योंकि महामारी के कारण उद्योग-धंधों के बंद होने या कम उत्पादन, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ने और पगार घटने से वस्तुओं और सेवाओं की मांग घटी है। आम ग्राहकों के लिए बुरी खबर इतनी ही नहीं है। खुदरा महंगाई दर में खाने के सामान की महंगाई मई में 5.01 फीसदी रही, जो इससे पिछले महीने सिर्फ 1.96 फीसदी थी। इसमें खाने का तेल और दाल की कीमतों का बड़ा योगदान है। खाने के सामान के साथ पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की महंगाई से गरीबों पर सबसे अधिक चोट पड़ रही है। इससे दूसरी जरूरतों पर खर्च करने के लिए उनके पास कम पैसा बच रहा है। यही हाल रहा तो इससे खपत और घटेगी, जिसका ग्रोथ पर बुरा असर होगा। केंद्र और राज्य चाहें तो पेट्रोलियम गुड्स पर टैक्स घटाकर लोगों को फौरन महंगाई से राहत दे सकते हैं। पेट्रोल के दाम में 61 फीसदी और डीजल में 54 फीसदी टैक्स के मद में जाता है। इससे लोगों, कारोबारियों और रिजर्व बैंक को राहत मिलेगी, कर्ज सस्ता बना रहेगा, खपत को मजबूती मिलेगी। इसके साथ, केंद्र को आर्थिक गतिविधियां तेज करने के लिए राहत पैकेज लाने पर भी विचार करना चाहिए।

आत्मनिर्भरता की ओर कोविड टीका निर्माण, कम लागत में प्रभावी टीका निर्माण में मिल रही कामयाबी

भारत सरकार द्वारा इतना कोविड टीके का बड़ा ऑर्डर देने की वजह टीकाकरण की आपूर्ति बढ़ाने में हो रही मुश्किलें हैं। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने फाइजर, एस्ट्राजेनेका और मॉडर्ना जैसे टीकों में अग्रिम भुगतान और जोखिम वाले निवेश किए थे, भारत सरकार ने सीमित ऑर्डर देने से पहले भारत में दोनों टीकों को नैदानिक परीक्षण की आधिकारिक मंजूरी मिलने तक इंतजार किया। हमारे देश को दिसंबर तक कोविड के टीकों की 200 करोड़ खुराक तक सुरक्षित करना होगा। इस लक्ष्य को देखते हुए कॉर्बेवैक्स इस अपेक्षित आपूर्ति का एक बड़े हिस्से का उत्पादन कर सकेगा। इस प्रकार से ये करार ऐतिहासिक है और भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को भी पूरा करता नजर आता है।

कॉर्बेवैक्स एक 'रेकॉम्बीनैंट प्रोटीन सब-यूनिट' टीका है जिसका अर्थ है कि यह कोरोनावायरस के एक विशिष्ट भाग यानी विषाणु की सतह पर पाई जाने वाली स्पाइक प्रोटीन से बना है। जैसा कि विदित है, स्पाइक प्रोटीन वायरस को हमारे शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने में मदद करती है। इसके बाद यह मानव कोशिकाओं के अंदर अपनी संख्या को निरंतर बढ़ाते हुए हमारे शरीर में बीमारी पैदा करता है। यह प्रोटीन टीके के रूप में शरीर में इंजेक्शन के जरिए दिया जाएगा तो इसके हानिकारक होने की उम्मीद कम है, क्योंकि ये अकेला प्रोटीन बिना वायरस के अन्य भागों के लिए रोगजनक नहीं हो सकता है। इस प्रकार से इंजेक्शन में दिए गए स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ शरीर में एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया विकसित होने की उम्मीद है। इसलिए जब असली विषाणु शरीर को संक्रमित करने का प्रयास करेगा, तो शरीर में पहले से ही एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तैयार होगी जिससे व्यक्ति के गंभीर रूप से बीमार पड़ने की आशंका नहीं होगी। यद्यपि इस तकनीक का उपयोग दशकों से हेपेटाइटिस-बी के टीके बनाने के लिए किया जाता रहा है। फिर भी कॉर्बेवैक्स इस तकनीक का उपयोग करने वाले पहले कोविड टीकों में से एक होगा। इसी तकनीक पर आधारित नोवावैक्स इस कंपनी का बनाया हुआ टीका अभी भी विभिन्न नियामकों से आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण की स्वीकृत की प्रतीक्षा कर रहा है। जबकि कॉर्बेवैक्स स्वदेशी रूप से उत्पादित होगा।

कॉर्बेवैक्स टीके पर शोध अमेरिका के बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन में हुआ था। वहां के वैज्ञानिक एक दशक से दूसरे कोरोना वायरस सार्स और मर्स के लिए रेकॉम्बीनैंट प्रोटीन वाले टीकों पर काम कर रहे थे। वहां के प्रोफेसर और संकाय अध्यक्ष डॉ पीटर होटेज का कहना है, 'हम उच्च स्तर की दक्षता के साथ कोरोना वायरस के लिए एक रेकॉम्बीनैंट प्रोटीन (वाला टीका) बनाने के लिए आवश्यक सभी तकनीकों को जानते थे।' जब फरवरी 2020 में कोरोना वायरस का आनुवंशिक अनुक्रम उपलब्ध कराया गया, तो वहां के शोधकर्ताओं ने स्पाइक प्रोटीन को कोड करने वाले जीन के अनुक्रम को निकाला और इसके बाद इसकी क्लोनिंग और इंजीनियरिंग पर काम किया। इसके बाद जीन को खमीर की कोशिका में डाल दिया गया, ताकि वह स्पाइक प्रोटीन अणु की प्रतियां बना सके और जारी कर सके।

जैव-प्रौद्योगिकी में यह प्रोटीन की तेजी से प्रतिलिपियां बनाने का एक प्रचलित तरीका है। इस टीके को बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल सस्ता है और आसानी से मिलने वाला है। अगस्त 2020 में बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन ने इस टीके के थोक उत्पादन के लिए भारतीय कंपनी बायोलॉजिकल-ई से समझौता कर लिया और इसका फार्मूला एवं प्रारंभिक सामग्री दे दी, ताकि हैदराबाद की कंपनी इसका नैदानिक परीक्षण भारत में करा कर इसके उत्पादन कार्य को आगे बढ़ा सके। अब इस टीके के तीसरे चरण के परीक्षणों को मंजूरी मिल गई है, जिसके जुलाई तक खत्म हो जाने की उम्मीद है।

कॉर्बेवैक्स एम-आरएनए और एडेनो वायरस विषाणु वेक्टर वाले टीके कोविड टीकों की तरह केवल स्पाइक प्रोटीन को लक्षित करता है, लेकिन इसको बनाने की क्रिया और इसकी कार्यप्रणाली बिल्कुल अलग है। इसमें शुद्ध किया हुआ स्पाइक प्रोटीन इंजेक्शन से सीधे मनुष्य को दिया जाता है, जबकि अन्य टीकों में ऐसे आनुवांशिक अवयव एम-आरएनए एवं डीएनए दिए जाते हैं जो हमारे शरीर में अंदर जाकर स्पाइक प्रोटीन का उत्पादन करते हैं। अधिकांश अन्य कोविड टीकों की तरह कॉर्बेवैक्स को दो खुराक में दिया जाता है। चूंकि इसे कम लागत वाली तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है, इसलिए यह देश में उपलब्ध सबसे सस्ता टीका साबित होने वाला है। भारत सरकार के विशालतम टीकाकरण कार्यक्रम में यह पहली बार है, जब सरकार ने एक टीके पर विश्वास करके फटाफट करार किया है जिसे आपातकालीन उपयोग के लिए अभी-अभी स्वीकृत किया गया है। इस करार के लिए 1,500 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान भी किया है जिससे 15 करोड़ नागरिकों को टीका लगाया जा सकता है। इस प्रकार से सरकार के मौजूदा करार के मुताबिक कॉर्बेवैक्स का टीका प्रति डोज 50 रुपये की लागत पर मिल जाएगा। केंद्र सरकार इस टीके के त्वरित विकास के लिए प्रमुख प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल परीक्षणों में सहायता भी प्रदान कर रही है, इसमें सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से 100 करोड़ रुपये की सहायता अनुदान राशि भी प्रदान की गई है।

बायोलॉजिकल-ई की स्थापना डॉ डीवीके राजू ने वर्ष 1953 में एक जैविक उत्पाद कंपनी के रूप में की थी। वर्ष 1962 तक इसने बड़े पैमाने पर डीपीटी टीकों का उत्पादन करते हुए टीकों के क्षेत्र में प्रवेश किया। इसके टीकों की आपूर्ति 100 से अधिक देशों को की जाती है और इसने पिछले 10 वर्षों में ही दुनिया भर में दो अरब से अधिक खुराकों की आपूर्ति की है। भारत सरकार द्वारा इतना कोविड टीके का बड़ा ऑर्डर देने की वजह टीकाकरण की आपूर्ति बढ़ाने में हो रही मुश्किलें हैं। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने फाइजर, एस्ट्राजेनेका और मॉडर्ना जैसे टीकों में अग्रिम भुगतान और जोखिम वाले निवेश किए थे, भारत सरकार ने सीमित ऑर्डर देने से पहले भारत में दोनों टीकों को नैदानिक परीक्षण की आधिकारिक मंजूरी मिलने तक इंतजार किया। हमारे देश को दिसंबर तक कोविड के टीकों की 200 करोड़ खुराक तक सुरक्षित करना होगा। इस लक्ष्य को देखते हुए कॉर्बेवैक्स इस अपेक्षित आपूर्ति का एक बड़े हिस्से का उत्पादन कर सकेगा। इस प्रकार से ये करार ऐतिहासिक है और भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को भी पूरा करता नजर आता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सिवनीमालवा में सीबीआई और लोकायुक्त की कार्रवाई

सीबीआई ने आरपीएफ के एसआई को सात हजार की रिश्वत लेते दबोचा

सिवनीमालवा, (एजेंसी)। शहर में सीबीआई और लोकायुक्त की दो अलग-अलग कार्रवाई की गईं, जिनमें पहली कार्रवाई सीबीआई की टीम द्वारा बानापुरा रेलवे स्टेशन पर की, जहां आरपीएफ सब इंस्पेक्टर को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। वहीं इधर नगरपालिका में कार्यरत लेखापाल सहित राजस्व उप निरीक्षक को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते रंगे हाथों धबोचा।

सीबीआई की गिरफ्त में आरपीएफ इंस्पेक्टर धर्मपाल

सीबीआई सूत्रों के अनुसार आरपीएफ की बनापुर चौकी के प्रभारी धर्मपाल सिंह को सात हजार रुपयों की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। शिकायत के अनुसार शिकायतकर्ता डोलरिया रेलवे स्टेशन के पास चाय की दुकान लगाने के लिए एक टीनशेड लगाना चाहता था। इसके लिए चौकी प्रभारी आठ हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। बात सात हजार में तय हुई। चौकी प्रभारी सोमवार को जब रिश्वत ले रहा था, तभी उसे सीबीआई ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी आरोपी के ठिकानों पर तलाशी ले रही है।

दो नपाकर्मी 14,500 रुपए लेते धराए

लोकायुक्त निरीक्षक संजय शुक्ला ने बताया कि गिरधारी बाथव के द्वारा शिकायत की गई थी कि नपा में पदस्थ राजस्व उप निरीक्षक विष्णु देवड़ा एवं लेखापाल राजेन्द्र मालवीय के द्वारा पेड़ों की कटाई का भुगतान निकाले जाने के लिए रिश्वत की मांग की थी। सोमवार को माया होटल से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए नपा के राजस्व उपनिरीक्षक और नपा कार्यालय से लेखापाल 45 सौ रुपए रिश्वत लेते पकड़ा है।

कोयले से भरी मालगाड़ी के डिब्बे से निकला धुआं व आग की लपटें

स्टेशन पर रुकवाकर दमकल ने बुझाई आग

सागर/जरूआखेड़ा। कटनी से जेपी पावर प्लांट जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी में अचानक आग लग गई जिसे जरूआखेड़ा स्टेशन पर रुकवाया गया और आग बुझाई गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 5.30 बजे नरयावली स्टेशन मास्टर ने जरुआखेड़ा स्टेशन को सूचना दी कि जेबीटीएस कोयला से भरी मालगाड़ी जो कि कटनी से जेपी पावर प्लांट जा रही थी के डिब्बे से धुआं एवं आग की लपटें निकल रही हैं। मालगाड़ी के डिब्बे में आग लगी होने की सूचना मिलने पर जरुआखेड़ा स्टेशन मास्टर एमडी मीना ने उक्त मालगाड़ी को जरुआखेड़ा स्टेशन पर रोक कर इसकी सूचना जबलपुर कंट्रोल एवं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। तत्काल मालगाड़ी का डिस्चार्ज रोढ कर खुरई से फायर बिग्रेड बुलवाकर आग पर काबू किया गया। स्टेशन मास्टर मीणा ने बताया कि लगभग 3 घंटे तक उक्त मालगाड़ी जरुआखेड़ा रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। आग बुझाने के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया।

बेलगाम ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा सास-ससुर की मौत, दामाद घायल

कटनी जिले के ढीमरखेड़ा के रामपुर बैरियर के समीप दर्दनाक हादसा

कटनी, (एजेंसी)। ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत रामपुर बैरियर के समीप रविवार की दोपहर बेलगाम ट्रक और मोटर साइकिल के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में मोटर सायकल सवार सास, ससुर व दामाद में से सास-ससुर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि दामाद घायल हो गया।

ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी अर्चना सिंह के मुताबिक ग्राम खमतरा निवासी 75 वर्षीय जियालाल बर्मन अपनी 65 वर्षीय पत्नी शांतिबाई के साथ ग्राम जुनवानी निवासी दामाद अर्जुन पिता पूरनलाल बर्मन के यहां आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने गया था। शादी होने के बाद रविवार को दामाद अर्जुन पिता पूरन लाल अपने सास शांतिबाई व ससुर जियालाल को मोटर सायकल में बैठाकर वापस खमतरा छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान रामपुर बैरियर के पास ट्रक से बाइक की भिड़ंत हो गई। जिसके कारण बाइक सवार सास व ससुर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि दामाद घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग दंपति के शव को पीएम के लिए भिजवाते हुए आरोपी चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर ढीमरखेड़ा थाना में खड़ा कराया है। वहीं आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

संक्षिप्त खबर

इंदौरः सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा स्थगित अब 10 अक्टूबर को होगी आयोजित

इंदौर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2021 को स्थगित कर दिया है। पहले ये परीक्षा 27 जून को होने वाली थी। नए कार्यक्रम के अनुसार अब ये परीक्षा 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। वहीं आयोग ने संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा को भी स्थगित किया है। अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीदवारों को किसी भी अगली सूचना तक परीक्षा की तारीख का इंतजार करना होगा। आयोग ने अपने आधिकारिक नोटिस में कहा है कि सिविल सेवा प्री परीक्षा 2021 जो कि 27 जून को होने वाली थी उसे स्थगित कर दिया है। अब ये परीक्षा 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। वहीं संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2021 को 5 मई को अधिसूचित किया जाना है, जिसे अगली सूचना तक के लिए टाल दिया गया है। आयोग की ओर से होने वाली इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा के एडमिट कार्ड जल्द जारी किए जाएंगे। एडमिट कार्ड इस सप्ताह या अगले सप्ताह जारी किए जा सकते हैं। आयोग की वेबसाइट से उम्मीदवार इसे डाउनलोड कर सकेंगे।

टीकमगढ़ः शादी में शामिल होने आए दो युवकों की कुएं में डूबने से मौत

टीकमगढ़/बल्देवगढ़। पुलिस चौकी मजना के ग्राम वनपुरा में शादी समारोह में शामिल होने आए दो रिश्तेदारों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। फरियादी दयाराम पाल (38) निवासी वनपुरा ने बताया कि उसके पुत्र पंकज पाल का विवाह 21 जून को था, जिस में शामिल होने आए मेरे साढू दिलीप पाल निवासी अजनर जिला महोबा एवं दूसरे ग्राम देवराहा से 20 वर्षीय करन पिता लखन पाल निवासी देवराहा थाना जतारा दोनों लोग 20 जून को मेरे पुत्र पंकज पाल की शादी में शामिल होने आए थे, जो 21 जून को सुबह 9 बजे पास के ही कुएं पर नहाने गए थे जिनकी डूबने से मौत हो गई। वनपुरा गांव वालों द्वारा शादी पक्ष के लोगों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मजना पुलिस द्वारा शव को कुएं से बाहर निकाल कर पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बल्देवगढ़ भेजा गया। जहां पोस्टमार्टम होने के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

दतियाः पुलिस हिरासत से भागे दुष्कर्म के आरोपी का पेड़ पर लटका मिला शव

दतिया। जिले के भांडेर में शनिवार रात पुलिस हिरासत से फरार हुए 20 वर्षीय एक आरोपी ने कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। युवक पर 17 वर्षीय लड़की के अपहरण व दुष्कर्म का आरोप था। मामले में दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। भांडेर थाना के प्रभारी निरीक्षक विजय लोधी ने सोमवार को बताया कि आरोपी का शव सुबह तिगरा-केओलारी मार्ग पर एक पेड़ से लटका मिला। उन्होंने बताया कि आरोपी राघवेंद्र वंशकार को शुक्रवार को पंडोखर से 15 जून की रात लड़की के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शनिवार रात को चिकित्सा परीक्षण के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय युवक पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। सूत्रों के अनुसार आरोपी ने फरार होने के बाद गांव क्योलारी में अपने खेत पर फांसी लगा ली। मामले में दतिया एसपी अमन सिंह राठौड़ ने कर्तव्य के प्रति लापरवाही और उदासीनता प्रदर्शित करने के आरोप में आरक्षक मुकेश दोहरे और आरक्षक मनीष दुबे थाना भांडेर को रविवार को ही निलंबित कर दिया था।

छतरपुरः बेटे को पता लगे अवैध संबंध तो मां के प्रेमी ने गला दबाकर की हत्या

छतरपुर। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम ढिलापुर में 4 जून को एक 12 वर्षीय लड़के सूरज प्रजापति की लाश गांव के ही प्रीतम यादव के कुएं में मिली थी। लड़के के पिता तुलसीदास प्रजापति के द्वारा इस मामले में गुमशुदगी रिपोर्ट लिखाई गई थी लेकिन जब लड़के की लाश कुएं से बरामद हुई तो मामला हत्या का प्रतीत हुआ था। दरअसल लड़के की हत्या उसकी मां के प्रेमी ने ही गला दबाकर की थी। ओरछा रोड थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि जिस कुएं में लड़के की लाश मिली थी। एक मुखबिर ने सूचित किया कि मृतक की मां और उसके पिता ईंट भट्टों का काम करते थे। गांव का ही एक व्यक्ति अच्छू कुशवाहा भी यहां काम करता था। इसी दौरान अच्छू कुशवाहा और मृतक की मां के बीच अवैध संबंध निर्मित हो गए जिन्हें मृतक सूरज ने देख लिया था। इसी बात को लेकर सूरज और अच्छू कुशवाहा के बीच विवाद हुआ। 31 मई को पोल खुलने के डर से अच्छू ने सूरज की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके बाद उसे कुएं में फेंक दिया।

रायपुरः छत्तीसगढ़ में मिले 496 नए संक्रमित मरीज, आठ की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में 496 नए संक्रमित मरीज मिले हैं, वहीं आठ संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में 496 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं उनमें सर्वाधिक बीजापुर के 65 हैं। इसमें रायपुर के 23, बस्तर के 37,कोरिया के 22, सरगुजा के 15, सूरजपुर के 20, जशपुर के 25,बलौदा बाजार के 16,जांजगीर के 21,सुकमा के 40 तथा दंतेवाड़ा के 14 मरीज शामिल हैं। इस दौरान हुई आठ मौतें के साथ ही कोरोना से होने वाली कुल मौतें बढ़कर 13395 हो गई है। राज्य में इस दौरान अस्पतालों एवं होमआईसोलेशन से 1116 लोगों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में इसके साथ ही कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 8564 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने पीताम्बरा पीठ पहुंचकर की पूजा-अर्चना

दतिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दतिया प्रवास के दौरान माँ पीताम्बरा पीठ पहुंचकर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मां पीताम्बरा से प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर से मुकाबला करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भी साथ थे।

70 दिनों बाद खुला मां बगलामुखी मंदिर वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट दिखाकर किए दर्शन

नलखेड़ा, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के कारण गत 12 अप्रैल से आम भक्तों के दर्शनों के लिए बंद किए गए विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर के द्वार सोमवार से खोल दिए गए है।

70 दिनों बाद सोमवार प्रातः 6.30 बजे माँ बगलामुखी मंदिर आम भक्तों के दर्शनार्थ खोला गया। जहाँ गाइडलाइन के तहत दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट दिखाना पड़ रहा है और यदि वैक्सिनेशन नहीं करवाया गया है तो फ़िर 72 घण्टे के अंदर तक की कोरोना जांच रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य है। गर्भगृह में प्रवेश और मंदिर परिसर में हवन-अनुष्ठान पर प्रतिबंध पहले के जैसे जारी है। भक्त सभा मंडप से दूर से ही दर्शन कर रहे है। मंदिर में प्रतिदिन प्रातः 6.30 से सायं 7 बजे तक आम भक्त दर्शन कर सकेंगे एवं रविवार को मंदिर दर्शनार्थ बंद रहेगा।

वैक्सीनेशन में भी इंदौर बना देश में नंबर वन, महाअभियान को मनाया उत्सव की तरह

इंदौर ने बनाया कीर्तिमान, रिकार्ड दो लाख से अधिक लगे टीके

इंदौर (एजेंसी)।

स्वच्छता में नंबर वन के बाद अब कोविड वैक्सीनेशन में भी इंदौर नंबर वन बन गया है। प्रदेश ही नहीं देश में इंदौर जिला नंबर वन रहा है। सोमवार से शुरू हुए टीकाकरण महाअभियान के पहले दिन इंदौर में 2 लाख 12 हजार 86 लोगों को वैक्सीन लगा, जो प्रदेश ही नहीं पूरे देश में अव्वल है। यह संख्या ओर बढ़ भी सकती है, क्योंकि भीड़ के कारण कई सेंटर में देर शाम तक वैक्सीनेशन किया जा रहा था। अब तक इंदौर में 20 लाख 13 हजार 238 लोगों को वैक्सीन लग चुका है।

जानकारी सोमवार देर शाम को इंदौर जिले के प्रभारी तथा जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने रेसीडेंसी में पत्रकारों से चर्चा के दौरान दी। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, गौरव रणदिवे, कलेक्टर मनीष सिंह, नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल भी मौजूद थी।

लोगों में सुबह से ही वैक्सीनेशन महाअभियान को लेकर अभूतपूर्व उत्साह का माहौल था। शहर में 1000 से अधिक वैक्सीनेशन केंद्र बनाए गए थे। सभी केंद्रों पर वैक्सीन लगाने वालों की भीड़ लगी हुई थी। खजराना गणेश मंदिर से वैक्सीनेशन की शुरुआत प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, कलेक्टर मनीष सिंह, आयुक्त प्रतिभा पाल, डीआईजी मनीष कपूरिया आदि की मौजूगी में किया गया। वैसे इंदौर जिले में पहले दिन 3 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया था।

नागरिकों की सुविधा के लिए किए खास इंतजाम

इंदौर में टीकाकरण महाअभियान के लिये शासन-प्रशासन ने नागरिकों की सुविधा के लिये टेंट, कुर्सी, स्वच्छ पेयजल आदि के इंतजाम किये। वहीं दूसरी ओर जनसहयोग से स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि ने टीका लगवाने के लिये आने वाले नागरिकों हेतु चाय, नाश्ते की भरपूर व्यवस्था की। खजराना गणेश मंदिर में नागरिकों के लिये चाय, बिस्किट, पोहे और फल की व्यवस्था की गई।

जबलपुरः धुआंधार जलप्रपात के किनारे किया सामूहिक योग

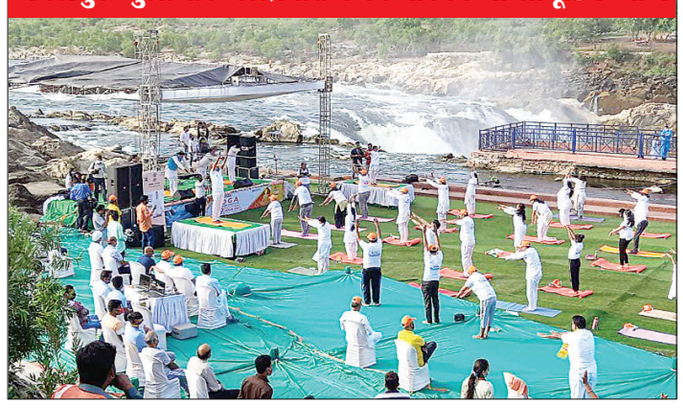

तय लक्ष्य से आगे निकला खंडवा, 190 प्रतिशत हुआ टीकाकरण

खंडवा। टीकाकरण महाअभियान के पहले दिन 15 हजार का टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था। जिसे प्राप्त करने के लिए जिला मुख्यालय खंडवा नगर के 30 एवं गांवों के 287 केंद्रों पर वैक्सीनेशन लगाने में लोगों ने उत्साह से भागीदारी की। वैक्सीनेशन प्रभारी डा. एनके सेठिया ने बताया कि जिले में टीकाकरण के लिए 317 टीमें बनाई गई है। सोमवार को कोविशील्ड का पहला डोज लगाया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से खंडवा जिला टीकाकरण के इस महाअभियान में प्रदेश में अव्वल रहा है। सोमवार शाम 7 बजे तक लगभग 28 हजार 503 लोगों ने टीका लगवाया जो लक्ष्य को पार कर 190 प्रतिशत हुआ है।

छत्तीसगढ़ में एक लाख टीके का लक्ष्य, 55 हजार को लगे टीके

राज्य में टीकाकरण के लिए बनाए गए थे 3000 सेंटर

रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ में एक लाख टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया। इसमें से शाम चार बजे तक 55 हजार के करीब टीकाकरण हो चुका है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर अमर सिंह ठाकुर ने बताया कि केंद्रों में टीकाकरण चल रहा है। देर शाम तक पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने बताया कि राज्य में टीकाकरण के लिए 3000 सेंटर बनाए गए थे। लोगों की संख्या को देखते हुए 500 अतिरिक्त केंद्र खोले गए हैं। इस तरह कुल 3500 केंद्रों में टीकाकरण चल रहा है। राज्य में निजी स्तर पर टीकाकरण केंद्र नहीं बने हैं।

राजधानी के चार प्राइवेट अस्पतालों में टीकाकरण किया जा रहा है। इसकी संख्या बेहद कम है। टीकाकरण को लेकर लोगों में रूझान है। इसलिए किसी तरह की समस्या नहीं आ रही है। व्यवस्थागत कुछ परेशानियां होती है, जिसे दूर कर लिया जाता है। प्रदेश में रविवार को 352 संक्रमितों की पहचान की गई है। वहीं 681 स्वस्थ और 10 की मौत हुई है। 9192 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक रायपुर, धमतरी, जांजगीर, सरगुजा में 17-17, रायगढ़ में 16, दुर्ग में 15, बिलासपुर में छह समेत अन्य जिलों में मरीज मिले हैं।

तीसरी लहर की आशंका में सावधानी अभी भी जरूरी

बताते चलें कि कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप अब कम जरूर हुआ है, लेकिन कोरोना पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में अभी भी सावधानी बरतनी जरूरी है। विशेषज्ञों ने तीसरी लहर की आशंका जाहिर की है। यदि हम कोरोना को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे, तो तीसरी लहर को आने से रोक सकते हैं, या कम से कम उसके प्रभाव को तो कम कर ही सकते हैं।

कोरोना वॉरियर्स के रूप में तीन माह करना होगा कार्य

जबलपुर, (एजेंसी)। नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार दो भाईयों को कोरोना वॉरियर्स के रूप में कार्य करने की स्वैच्छिक इच्छा पर हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत प्रदान की है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि दोनों आवेदक आरोपियों को कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर अपना पंजीयन कोरोना वॉरियर्स के रूप कराएंगे। इसके बाद दोनों तीन माह तक जिला अस्पताल में कोरोना वॉरियर्स के तौर में सेवा प्रदान करेंगे।

नॉरकोटिक्स एक्ट के आरोपियों को सशर्त जमानत

मामले के अनुसार के के चतुर्वेदी व उनके भाई चंद्रमणि चतुर्वेदी को पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के पास से प्रतिबंधित कफसीरप की 25 बोतल बरामद हुई थी। जमानत के लिए आवेदकों ने दूसरी बार हाईकोर्ट में आवेदन पेश किया था। जमानत याचिका का विरोध करते हुए शासन की ओर से बताया गया था कि एक आवेदक के खिलाफ साल 2019 में दो अपराधिक प्रकरण भी दर्ज किये गये थे। एकलपीठ ने दोनों भाईयों को सशर्त जमानत का लाभ प्रदान करते हुए कहा है कि उक्त समयावधि के दौरान आवेदक कोई अपराधिक गतिविधि करते हुए पाये जाते है तो उनकी यह जमानत निरस्त हो जाएगी।

तहसील परिसर में फेसबुक लाइव कर युवक ने स्वयं को मारी गोली

रायसेन, (एजेंसी)। जिले के बेगमगंज में एक युवक ने फेसबुक लाइव कर स्वयं को गोली मार ली, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे समीप के अस्पताल ले जाया गया, जहां से युवक को सागर रैफर कर दिया गया है।

सुसाइड नोट में 6 पॉइंट पर अधिकारियों-साहूकारों पर आरोप

पुलिस सूत्रों के अनुसार सौरभ जैन ने तहसील परिसर में अपने सीने में गोली मारने से पूर्व वीडियो रिकॉर्ड किया और फेसबुक पर आत्महत्या के इरादे से स्वयं को गोली मारने का लाइव प्रसारण करते हुए स्वयं को गोली मार ली, जिसमें माउजर से गोली मारते हुए दिखाई दे रहा है। गंभीर अवस्था में उसे सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर कर दिया है। बताया गया है कि उसने सुसाइड नोट में 6 पॉइंट पर प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर साहूकारों पर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में एसडीएम अभिषेक चौरसिया का कहना है कि उनके यहां 250 की अपील चल रही है।

कोरोना कर्फ्यू के चलते उनके वकील ही उपस्थित नहीं हुए। इसके अलावा उनका कोई मामला यहां पेंडिंग नहीं है। वहीं दूसरी ओर तहसीलदार एन एस परमार का कहना है कि उनके न्यायालय में सौरभ जैन का कोई भी प्रकरण विचारधीन नहीं है और ना ही जमीन के कब्जे की कोई बात है आरोप निराधार हैं। इस संबंध में टीआई इंद्राज सिंह का कहना है कि सौरभ जैन ने आत्महत्या करने के इरादे से तहसील परिसर में स्वयं को गोली मारी है। प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है।

टीकाकरण महाअभियान में लापरवाह तीन स्वास्थ्य कर्मी निलंबित, दो बीएमओ को नोटिस

सागर। जिले मे सोमवार से शुरू टीकाकरण महाअभियान में रूचि न लेने पर तीन स्वास्थ्य कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है जबकि जैसीनगर और शाहपुर के दो बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कोविड -19 टीकाकरण महाअभियान सत्र स्थल पर उपस्थित नहीं होने तथा पूर्व में भी रूटीन टीकाकरण सत्र से अनुपस्थित रहने, कोविड19 टीकाकरण महाभियान सत्र में रूचि नहीं लेने, लगाई गई ड्युटी से अनुपस्थित रहने एवं आदेशो की अव्हेलना कर स्वेच्छाचारित प्रदर्शित करने पर कलेक्टर दीपक सिंह द्वारा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर, भैसवाही, एएनएम चंद्रवती अहिरवार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैसीनगर के उपस्वास्थ्य केन्द्र चारटोरिया, एएनएम मीना अहिरवार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैसीनगर के उपस्वास्थ्य केन्द्र चारटोरिया, एमपीडब्ल्यू घनश्याम अहिरवार को निलंबित किया गया है। इसी प्रकार पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता डॉ आनंद दास शर्मा प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी शाहपुर एवं डॉ एलएस शाक्या प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी जैसीनगर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सुनवाई — **सरकार से मांगी विस्तृत रिपोर्ट, अगली सुनवाई 5 जुलाई को**

हाईकोर्ट ने पूछा,कोरोना की तीसरी लहर से निपटने क्या है तैयारी

जबलपुर (एजेंसी)।

मप्र हाईकोर्ट ने कोरोना संक्रमण को लेकर दायर मामलों की सुनवाई करते हुए कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर घातक हो सकती है, इस संबंध में क्या तैयारियां है। चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की युगलपीठ ने इस संबंध में सरकार को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने कोर्ट मित्र अधिवक्ता को निर्देशित किया है कि प्रदेश के बड़े शहरों में कोरोना उपचार की निर्धारित दर के संबंध में जानकारी पेश करें। युगलपीठ ने उक्त निर्देशों के साथ मामले की अगली सुनवाई 5 जुलाई को निर्धारित की है।

एम्स के डायरेक्टर ने दी है चेतवानी

उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण के संबंध में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट मित्र ने युगलपीठ को बताया कि एम्स के डायरेक्टर ने चेतवानी दी है कि भारत में कोरोना की तीसरी लहर 6 से 8 सप्ताह में आने वाली है। कोरोना वायरस ने अपने आप को स्टेंड कर लिया है और नए वायरस को डेल्टा प्लस का नाम दिया गया है। तीसरी लहर पहली लहर से अधिक खतरनाक होगी। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिला अस्पताल में न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं होना चाहिए। प्रदेश के बड़े जिला अस्पतालों में सुविधा है परंतु कई जिला अस्पतालों में आवश्यक सुविधा तक नहीं है। सुविधाओं के अभाव में पीड़ितों को उपचार के लिए एक जिले से दूसरे जिले में न भटकना पड़े। कोर्ट मित्र द्वारा युगलपीठ को बताया गया कि सरकार द्वारा कोरोना उपचार की दर निर्धारित कर दी गई है। सरकार द्वारा सभी श्रेणी के अस्पतालों के लिए एक सामान्य दर निर्धारित की गई है। बड़े शहरों के मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल की जो उपचार दर है वहीं दर पिछले व आदिवासी बाहुल्य जिलों के निजी अस्तपाल भी ले रहे हैं।

204 वेंटिलेटर के उपयोग न होने पर भी मांगा था जवाब

मामले में पिछली सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पूर्व में कोरोना कार्य के दौरान बंद डिब्बों में रखे 204 वेंटिलेटर का उपयोग नहीं किये जाने, जिला अस्पतालों में सीटी स्कैन मशीन आदि के संबंध में जवाब मांगा था। सरकार द्वारा इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के लिए समय प्रदान करने का आग्रह किया। युगलपीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान तीसरी लहर की तैयारियों सहित अन्य सभी मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई दौरान सरकार की ओर से महाधिवक्ता पुष्येन्द्र कौरव तथा कोर्ट मित्र के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ उपस्थित हुए।

प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1980 पर पहुंची

भोपाल। कोरोना की दूसरी लहर आने के बाद से प्रदेश में सोमवार को पहली बार कोरोना के 89 नए मामले सामने आए, जिसके बाद सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1980 रह गई है। राज्य स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा यहां जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में 64926 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें कोरोना के 89 नए मामले सामने आए। यह संख्या कोरोना की दूसरी लहर के बाद पहली बार आयी है। इसके साथ ही संक्रमण दर 0.1 प्रतिशत रही। प्रदेश भर नए मामलों में आ रही कमी के चलते सक्रिय मरीजों की संख्या भी घट गई है। यह वर्तमान में 1980 है। इसी प्रकार इन नए मरीजों के मिलने के बाद प्रदेश में अब तक 7,89,350 कोरोना मरीज मिल चुके हैं। वहीं 304 नए मरीजों के स्वस्थ हो जाने के बाद अब तक 7,78,584 मरीज कोरोना को मात देकर अपने घर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश भर में सोमवार को 19 लोगों की कोरोना से मौत दर्ज किए जाने के बाद अब तक इस बीमारी से 8786 मरीज अपनी जान गवां चुके हैं। इस बीच राजधानी भोपाल में 13 नए मामले सामने आए, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं। यहां सक्रिय मरीजों की संख्या 648 है, जिनका इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा इंदौर में 15 नए मामले सामने आए। वहां सक्रिय मरीजों की संख्या 383 रह गई है। इन दोनों जिलों को छोड़कर प्रदेश के अन्य जिलों में कोरोना के नए मामलों की संख्या दस के नीचे रही। वहीं 29 जिलों में कोरोना के नए मामले नहीं आए हैं।

पीपीई किट पहने कोविड -19 रोगियों ने कोयंबटूर के कोडिसिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर चंडीगढ़ में योग करते हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर।

नादिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हुगली नदी के तट पर योग करती युवतियां।

एक नजर

निर्जला एकादशी पर कोरोना महामारी के चलते उदयपुर में प्रभु जगन्नाथ लॉक, भक्त अनलॉक

उदयपुर । निर्जला एकादशी पर उदयपुर के विख्यात भगवान जगन्नाथ मंदिर (जगदीश मंदिर) में भक्तों का प्रवेश निषेध होने से वह मंदिर के मुख्य दरवाजे पर फूलमालाएं एवं पूजा सामग्री समर्पित कर आराधना कर रहे हैं। यह पहली बार है कि जब कोरोना काल में भक्त अनलॉक हैं लेकिन भगवान लॉक। उदयपुर के सिटी पैलेस रोड पर बने पांच सौ साल पुराने ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में निर्जला एकादशी पर भगवान जगदीश के दर्शन तथा पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती थी। किन्तु कोरोना महामारी के चलते पहली बार जगदीश मंदिर के दरवाजे भक्तों के लिए बंद है। पिछली बार निर्जला एकादशी पर भक्तों के लिए भगवान के दर्शन कराने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। जिसमें सीमित संख्या में भक्तों को मंदिर में प्रवेश दिया गया तथा दर्शन के बाद पिछले गेट से बाहर निकलने की व्यवस्था की गई थी। इस तरह निर्जला एकादशी पर पिछले साल भक्त भगवान के दर्शन कर पाए लेकिन इस बार निराश हैं। ऐसे में जगन्नाथ प्रभु के भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं लेकिन भगवान के दर्शन किए बगैर लौट रहे हैं। व्रत करने वाली महिलाएं माला तथा पूजा की अन्य सामग्री लेकर भगवान की चौखट तथा दरवाजे पर मालाएं एवं पूजन सामग्री समर्पित कर लौट रही हैं। पुजारी रामगोपाल का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान राज्य सरकार की तय गाइड लाइन के चलते भक्तों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, हालांकि पूजा-अर्चना दैनिक रूप से लगातार की जा रही है। निर्जला एकादशी पर भगवान के दर्शन ऑनलाइन कराए जा रहे हैं। साथ ही मंदिर के बाहर स्क्रीन पर भगवान के दर्शन कराने की व्यवस्था भी की गई हैं।

कहा जाता है कि भगवान जगन्नाथ पुरी से यहां आए थे- उदयपुर भगवार जगन्नाथ यानी जगदीश मंदिर का निर्माण 1651 में पूरा हुआ था। मारू-गुजरात स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में बने इस शिखर मंदिर में भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित है। कहा जाता है कि भगवान जगन्नाथ यहां उड़ीसा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर से यहां आए थे। पुरी की तरह यहां भी भगवान जगन्नाथ की विशाल रथयात्रा निकाली जाती है लेकिन पिछले साल कोरोना महामारी के चलते कुछ भक्त तथा रथयात्रा समिति के पदाधिकारियों ने सांकेतिक रूप से रथयात्रा निकाली। रजत रथ पर भगवान जगन्नाथ को शहर भ्रमण कराया जाता है।

उदयपुर के प्रतापनगर थाने में बंदी ने किया आत्महत्या का प्रयास

उदयपुर । शहर के प्रतापनगर थाने में सोमवार को एक बंदी के आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना से पुलिसकर्मियों हतप्रभ रह गए और बंदी को तत्काल चिक्तिसा सुविधा उपलब्ध कराई। हालात सामान्य पाए जाने के बाद पुलिस ने बंदी के खिलाफ आत्महत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार बंदी उत्तर प्रदेश के औरंगाबाद जिले के ओलिया गांव है और उदयपुर के कानपुर गांव में किराए के मकान में रहता था। वह यहां चौकसी हेरेयुस प्राइवेट लिमिटेड में कार्य करता था। बताया गया कि चौकसी इंडस्ट्रीज में प्लेटीनम सहित महंगी धातुओं को काम लिया जाता है और दैनिक कार्य के बाद हर धातु के उपयोग और बची धातु का हिसाब करने के बाद ही मजदूरों, कामगारों तथा अन्य कर्मचारियों को छुट्टी मिलती है और उन्हें इंडस्ट्रीज से बाहर घर जाने दिया जाता है। पिछले दिनों कार्य के बाद किए गए हिसाब की जांच में एक किलो आठ सौ ग्राम चांदी कम पाई गई।

फैक्ट्री प्रबंधन ने इसकी अंदरूनी जांच की तथा इस संबंध में प्रबंधन ने कुछ कामगारों से पूछताछ भी की। इस मामले में कामगार दिनेश शर्मा के संदिग्ध व्यवहार तथा उसके जांच में सहयोग नहीं किए जाने पर फैक्ट्री प्रबंधक संदीप मिश्रा ने दिनेश शर्मा के खिलाफ प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कराया था। जिसकी जांच हैड कांस्टेबल महेंद्र सिंह को सौंपी गई थी।पुलिस की प्रारंभिक जांच में दिनेश शर्मा की लिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया था। थाने के बंदी गृह में उसे रखा गया। पुलिसकर्मी अपने-अपने कार्य में व्यस्त थे और इसी दौनान बंदी गृह में दिनेश शर्मा ने उसके बिछाने के लिए दी गई दरी को फाड़कर रस्सी बना ली तथा गले में फांसी का फंदा डालकर झूल गया। इससे पहले कोई बड़ा हादसा घटित होता हैड कांस्टेबल प्रकाश की नजर उस पर पड़ गई और उसने तत्काल दिनेश को संभाला तथा फंदे से मुक्त किया।

थाने में चिक्तिसा अधिकारी को बुलाकर उसकी जांच कराई गई तो उसे खतरे से बाहर तथा पूरी तरह सामान्य बताया। इसके बाद हैड कांस्टेबल प्रकाश की ओर से दिनेश शर्मा के खिलाफ हिरासत के दौरान आत्महत्या के प्रयास का मामला भी दर्ज किया गया है। उधर, दिनेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि चोरी के आरोप के बाद वह जीना नहीं चाहता और इसीलिए उसने आत्महत्या करने के लिए यह कदम उठाया।

उद्धव ठाकरे के चप्पल वाले बयान पर मचा घमासान, भाई जगताप बोले- बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

मुंबई । मुंबई कांग्रेस प्रमुख भाई जगताप ने सोमवार को पुष्टि की कि पार्टी महा विकास अघाड़ी गठबंधन के साथ नही बल्कि अकेले बीएमसी चुनाव लड़ेगी। भाई जगताप ने कहा मुंबई कांग्रेस प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के पहले दिन से, मैं कह रहा हूं कि कांग्रेस बीएमसी की सभी 227 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। यह पहली बार नहीं होगा इससे पहले 1999 और 2014 के बीच, हमने एनसीपी, समाजवादी पार्टी और आरपीआई के साथ सत्ता साझा की, लेकिन बीएमसी चुनाव अलग-अलग लड़े थे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में गठबंधन की महाविकास अघाड़ी सरकार को अभी दो वर्ष भी पूरे नहीं हुए हैं ऐसे में अगले वर्ष होने वाले मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव 2022 को लेकर इस महागठबंधन की पार्टियों में बढ़ता हुआ तनाव साफ नजर आ रहा है। वहीं कांग्रेस और शिवसेना में फूट पड़ती जा रही है। बता दें कि ऐसे में शिवसेना प्रमुख और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बयान के बाद मामला और गर्मा गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि अगर कोई अकेले चुनाव लड़ता है तो जनता उसे चप्पल से मारेगी। वहीं शिवसेना नेता संजय राउत का कहना है जो अकेले चुनाव लड़ना चाहत है लड़े।महाराष्ट्र में कांग्रेस जहां अकेले चुनाव लड़ने को तैयार हैं वहीं राकांपा शिवसेना से नेताओं को तोड़ने की कोशिश कर रही है, ऐसा लगता है कि केंद्र से उन?हें परोक्ष समर्थन मिल रहा है। बता दें कि नाना पटोले ने रविवार को भी पत्रकार वार्ता में ये बात दोहराई थी कि यह गठबंधन पांच वर्ष के लिए हुआ था। हमने भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए ये गठबंधन किया था। यह कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी । हर पार्टी अपने आप को मजबूत बनाने का अधिकार है। नान पटोले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा था महाराष्ट्र में जो अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, यदि वे ऐसा करेंगे, तो क्या हम चुप बैठे रहेंगे? ज्ञात हो कि शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को पार्टी की 55वीं वर्षगांठ पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जो लोग अकेले लड़ने की बात करते हैं, जनता उन्हें चप्पल से पीटेगी।

राष्ट्रपति, मंत्री से लेकर जवान... सबने किया योग; 18,000 फीट की ऊंचाई पर सूर्य नमस्कार

नई दिल्ली, एजेंसियां । सांतवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत समेत पूरे विश्व में लोग योगाभ्यास कर रहे हैं। भारत से लेकर अमेरिका तक योग दिवस की धूम देखने को मिल रही है। एस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान योग दुनिया के लिए उम्मीद की किरण और इस मुश्किल समय में आत्मबल का स्रोत बना रहा। देश भर में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने लद्दाख में गलवान घाटी और चीन बॉर्डर के पास पैंगोंग त्सो झील के किनारे योगाभ्यास किया। वहीं, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वॉयर में करीब 3000 लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर भारत ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और अब दुनिया को 'एम-योग' ऐप की शक्ति मिलने जा रही है, जिस पर सामान्य नियमों पर आधारित योग प्रशिक्षण के कई वीडियो दुनिया की अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होंगे। इससे 'एक विश्व, एक स्वास्थ्य' का लक्ष्य पूरा होगा।

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ITBP के एक जवान ने लद्दाख में 18,000 फीट की ऊंचाई पर शून्य डिग्री से नीचे के तापमान में सूर्य नमस्कार किया।

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगगुरू रामदेव ने कहा कि योग कोई मजहबी प्रक्रिया नहीं है। यह हमारे पूर्वजों की एक साझी विरासत है। योग, आयुर्वेद और अपनी सनातन ज्ञान परंपरा को हम गौरव से आत्मसात करें। योग पर कोई विवाद नहीं है। निष्पक्ष होकर योग के महत्व को मानें। आज पूरी दुनिया योग कर रही है।

- कतर के 6 शहरों एशियन टाउन, मेसाईद, अल वकराह, अल खोर, दुखन और दोहा में एक ही समय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह पहला मौका है जब यहां अलग-अलग स्थानों पर एक साथ इस तरह का आयोजन किया गया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया। उन्होंने कहा, हरियाणा में हमने योग को आगे बढ़ाने के लिए योग आयोग का गठन किया है। गांव गांव में योग पहुंचे इसके लिए 6,700 गांवों में से हमने 1000 गांवों में योग और व्यायामशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया। इसमें से लगभग 550 गांवों में ये योगशालाएं स्थापित हो चुकी हैं, शेष पर काम चल रहा है।

- केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने पटना में योग किया। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति और संस्कार की एक बहुत बड़ी धरोहर है। प्रधानमंत्री ने इस धरोहर को आज दुनिया के सामने इतने प्रभावी रूप से योग दिवस के रूप में प्रस्तुत किया है। कोरोना काल में इसकी उपयोगिता और योगदान बहुत अनुकरणीय है।

7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पूंछ इलाके के नागरिकों के साथ योग किया। एक नागरिक ने कहा, यहां पर हम दोनों ने मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। यहां पर बच्चों ने भी योग किया जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ है।

- केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रामपुर में योग किया। उन्होंने कहा कि योग दुनिया के लोगों की सेहत का एक मेड इन इंडिया नायाब गिफ्ट है। इसने दुनिया की सेहत और सलामती को बहुत मजबूती दी है। कोरोना काल में जहां एक तरफ मेडिसिन ने काम किया तो दूसरी तरफ मेडिटेशन ने भी काम किया हैं। इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने योग दिवस पर योग किया। उन्होंने कहा कि महामारी के समय में योग दुनियाभर के लिए एक वरदान है। महामारी के समय में योग ने हमारी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम किया है। लोगों को इससे न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में भी मदद मिली है।

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा, हजारों वर्षों से लाखों-करोड़ों लोगों को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का वरदान और शरीर एवं मन के संयोजन का साधन, योग के रूप में हमारे ऋषियों ने विश्व को दिया है। मानवता को यह भारत की अनुपम देन है। योग, कोविड-19 के संदर्भ में भी सहायक हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में कोरोना से मौत के लिए मुआवजा मामले पर फैसला सुरक्षि

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कोरोना महामारी के कारण मृतकों के परिजनों को मिलने वाले मुआवजा संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई पूरी हो गई और फैसला सुरक्षित रखा गया है। कोर्ट ने सभी पक्षों को लिखित दलील जमा कराने के लिए तीन दिन का समय दिया है। सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आपदा प्रबंधन कोरोना महामारी के लिए लागू है। हमने महामारी पर नियंत्रण के लिए अनेकों फैसले लिए। सॉलिसीटर जनरल ने कहा, अब और पहले में अंतर है, आपदा राहत की परिभाषा अब अलग है। पहले प्राकृतिक आपदा के बाद राहत पहुंचाने की बात थी जबकि अब आपदा से निपटने की भी तैयारी करनी होती है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि 4 लाख नहीं तो मुआवजे की कोई तो राशि दी जानी चाहिए NDMA को इसके लिए कुछ तो स्कीम बनानी चाहिए यह उसकी ड्यूटी है। इससे पहले कोर्ट ने सवाल किया कि NDMA ने मुआवजा नहीं देने का फैसला किया है? तब सॉलिसीटर जनरल ने इस बारे में अनभिज्ञता जाहिर की और कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता कि हमारा मुद्दा सरकार के पास पैसा है या नहीं को लेकर नहीं है बल्कि हम आपदा प्रबंधन से जुड़ी दूसरी बातों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि आपदा प्रबंधन कानून के तहत की जा रही व्यवस्था में अंतर है। कुछ राज्यों ने अपनी तरफ से मौत के लिए मुआवजे की घोषणा की है जो आकस्मिक निधि व मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाएंगे।

भारत में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए बढ़ानी होगी टीकाकरण की गति, संख्या के हिसाब से दूसरे नंबर पर भारत

नई दिल्ली । चीन के वुहान में कोरोना संक्रमण का पहला मामला आए डेढ़ साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। ज्यादातर देशों में इस साल आई महामारी की लहर ज्यादा घातक साबित हुई है। इन सबके बीच टीका ही है, जिसने उम्मीद जगाई है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि जहां टीकाकरण की गति तेज है, वहां संक्रमण के मामले तेजी से गिरे हैं। निश्चित तौर पर भारत में भी संक्रमण को रोकने के लिए टीकाकरण की गति को बढ़ाना होगा।

अब तक अभियान- देश में टीकाकरण की शुरुआत 16 जनवरी को हुई। शुरुआती उत्साह में रफ्तार ठीक-ठाक रही, लेकिन समय के साथ तमाम भौतिक-राजनीतिक बाधाएं सिर उठाने लगीं। टीके की आपूर्ति और मांग में असंतुलन के आरोप लगने लगे। मूल नीति पर राज्यों ने सवाल उठाए। मामला अदालतों में भी गया। सब कुछ दुरुस्त करने की मंशा से अब केंद्र ने पूरा कार्यक्रम अपने हाथ में ले लिया है और 21 जून से केंद्रीय टीकाकरण अभियान का आगाज हो रहा है।

अभियान की शुरुआत में सरकार ने छह से आठ महीनों के दौरान 30 करोड़ हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्कर्स के टीकाकरण की योजना बनाई थी। इसमें वह भी लोग शामिल थे, जिनकी उम्र ज्यादा थी और जो विभिन्न बीमारियों से पीड़ित थे। जब दूसरे दौर का संक्रमण शुरू हुआ तो राज्य युवाओं का टीकाकरण किए जाने को लेकर सरकार पर दबाव बनाने लगे। केंद्र ने एक मई से सभी वयस्कों को टीका लगाने की घोषणा कर दी। चूंकि टीकों की आपूर्ति जून से पहले बढ़ने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए यह घोषणा सरकार के गले की फांस बन गई है। देर से टीकाकरण शुरू होने के बावजूद भारत सर्वाधिक टीका लगाने वाले देशों में शुमार है। हालांकि आबादी के हिस्सेदारी के रूप में भारत जरूर पिछड़ता दिखता है। आने वाले दिनों में जिस तरह से कई नई वैक्सीन मिलने की उम्मीद है और घरेलू वैक्सीन की उत्पादन क्षमता में इजाफा किए जाने की बातें हो रही हैं, उससे टीकाकरण की रफ्तार तेज होने की आस बंधती है।

टीकों का सबसे बड़ा उत्पादक

पोलियो, डिप्थीरिया सहित किसी अन्य बीमारी के लिए जो भी टीके बनाए जाते हैं, उनमें से अधिकांश भारत में ही बनते हैं। अगर कोरोना टीकों की बात करें तो अप्रैल मध्य तक भारत 95 देशों को साढ़े छह करोड़ से अधिक टीके दे चुका था। जब दूसरे दौर का संक्रमण बढ़ा तो देश में टीकों की कमी हुई। केंद्र सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फाइजर, माडर्ना और जानसन एंड जानसन जैसी कंपनियों से कोरोना टीका खरीदने को लेकर बातचीत शुरू की। यह स्थिति तब थी, जब इनमें से किसी भी कंपनी ने अपने टीके बेचने के लिए भारत में आवेदन नहीं किया था। अब रूस की स्पूतनिक वी की भी लाखों डोज देश के सभी बड़े शहरों में आ चुकी हैं। अमेरिका ने भी भारत को एस्ट्राजेनेका की करोड़ों खुराक देने की बात कही है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर फैल रही अफवाहों पर बोले हर्षवर्धन, सबसे ज्यादा गरीबों का हो रहा नुकसान

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को तेज करने के लिए केंद्र सरकार नए-नए कदम उठा रही है। इस बीच कोरोना वैक्सीन को लेकर कई ऐसी अफवाहें भी फैल रही हैं जिससे लोगों के मन में वैक्सीन को लेकर डर पैदा करने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन ने इन सभी अफवाहों को लेकर नागरिकों को आगाह किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों को इन अफवाहों पर ध्यान ना देकर जल्द से जल्द अपना टीकाकरण करवाने को कहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि देश में कोरोना वैक्सीनेशन के खिलाफ कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं, जिनसे सबसे ज्यादा नुकसान देश के उन लोगों को हो रहा है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने कहा, नागरिकों को उन लोगों से बचना चाहिए जो वैक्सीनेशन को लेकर अफवाहें और गलत जानकारियां फैला रहे हैं। यह गरीब लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। देश में कोरोना वायरस के खिलाफ नई टीकाकरण नीति सोमवार से प्रभावी हो गई है। इस नई नीति के तहत 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों को कोरोना वैक्सीन की मुफ्त डोज उपलब्ध करवाई जाएगी। नागरिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क डोज प्राप्त कर सकेंगे।

राज्यों के पास अभी वैक्सीन की 3.06 करोड़ खुराक उपलब्ध- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी कोरोना की वैक्सीन की 3.06 करोड़ खुराक उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने कहा कि अगले तीन दिनों में 24.53 लाख डोज और उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्र की तरफ से राज्यों को अब तक कुल 29.10 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई गई हैं। केंद्र की तरफ से ये डोज फ्री और राज्यों द्वारा सीधी खरीद श्रेणी में मुहैया कराई गई हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में रविवार तक वैक्सीन की 27.62 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के कुल 5.39 करोड़ लोगों को पहली और 12,23,196 को दूसरी डोज दी जा चुकी है।

30 जून को फिर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे किसान, देशभर में मनाएंगे हूल क्रांति दिवस

नई दिल्ली । देश में कोरोना की रफ्तार कम हो गई है। अधिकतर राज्य धीरे-धीरे अनलॉक की तरफ बढ़ रहे हैं। इस बी किसान भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में जुट गए हैं। देश में किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। देशभर में जारी विरोध प्रदर्शन का करीब सात महीने होने वाले हैं। ऐसे में एक बार फिर से किसान आंदोलन में तेजी लाने की कवायद की जा रही है। इसको देखते हुए किसान 30 जून को एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा ने 30 जून को देशभर के सभी प्रदर्शन स्थलों पर हूल क्रांति दिवस मनाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन अपने सातवें महीने के करीब है।

किसानों के मुताबिक, स्थानीय इलाकों के ग्रामीण और खाप भी 30 जून को होने जा रहे किसान विरोध प्रदर्शन का समर्थन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 30 जून को जनजातीय क्षेत्रों के सदस्यों को धरना स्थलों पर आमंत्रित किया जाएगा।

संयुक्त किसान मोर्चा के मुताबिक, हमने सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा पर स्थित ग्राम सेलागर के आदिवासियों को अपना पूरा समर्थन दिया है, जो लोग क्षेत्र में सीआरपीएफ शिविर स्थापित करने के सरकार के फैसले के खिलाफ लड़ रहे हैं। यह जमीन बिना किसी रेफरल के ली जा रही है। इसके साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा ने हरियाणा में भाजपा नेताओं, जजपा नेताओं के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखने और इन नेताओं के प्रवेश का विरोध करने का भी फैसला किया है।

पहुंच रहे किसान संगठन- इसके अलावा AIKS, AIAWU और CITU के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा दल रविवार को सिंधु बॉर्डर क्षेत्र धरना स्थल पर पहुंचा। इसी तरह और भी कई प्रदर्शनकारी गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर इलाकों में पहुंच रहे हैं।

26 जून को किसानों का धरना

किसान संगठन आंदोलन के सात महीने पूरे होने पर 26 जून को देशभर में राजभवनों पर विरोध प्रदर्शन करेंग। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि वे 26 जून को अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान काले झंडे दिखाएंगे और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को ज्ञापन भेजेंगे।

तेज करेंगे आंदोलन- जुलाई में राज्यों के सभी छोटे-बड़े किसान संगठनों को दिल्ली आने और राज्यों में ही छोटे प्रदर्शनो के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के तीनों नए कृषि कानूनों के खिलाफ एक बार फिर किसान संगठन देशभर में आवाज बुलंद करने की तैयारी में हैं।

महाविकास अघाड़ी में बढ़ती ही जा रही रार, शिवसेना विधायक ने उद्धव को पीएम मोदी से सुलह की दी सलाह

मुंबई । महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महाविकास अघाड़ी सरकार के नेता भले ही अपनी सरकार के पांच साल पूरे होने का दावा करते रहें, लेकिन सच तो यह है कि तीन दलों के इस गठबंधन में रार और तकरार बढ़ती ही जा रही है। शिवसेना के एक विधायक द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखी गई चिट्ठी से यह रार सतह पर आ गई है। अक्सर सरकार में शिवसेना की तरफ से अग्रिम मोर्चा संभालने वाले विधायक प्रताप सरनाइक ने अपने पार्टी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में कहा है कि हम आपके नेतृत्व में विश्वास करते हैं। लेकिन कांग्रेस और राकांपा हमारी पार्टी को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। मेरा मानना है कि आप अगर प्रधानमंत्री मोदी के और करीब आ जाएं तो बेहतर होगा। अगर हम फिर साथ आ जाएं तो पार्टी और कार्यकर्ताओं को फायदा होगा। प्रताप सरनाइक ने अपने पत्र में अपनी पार्टी को हो रहे नुकसान का खुलकर जिक्र करते हुए लिखा है कि राकांपा और कांग्रेस अपना मुख्यमंत्री चाहते हैं।

कांग्रेस अकेले लड़ना चाहती है और राकांपा शिवसेना से नेताओं को तोड़ने की कोशिश कर रही है। लगता है कि केंद्र से उन्हें परोक्ष समर्थन मिल

रहा है। क्योंकि कोई केंद्रीय एजेंसी राकांपा के पीछे नहीं है। जबकि ये एजेंसियां हमारी गलती के बिना हमें निशाना बना रही हैं। अगर आप पीएम नरेंद्र मोदी के करीब आते हैं तो शिवसेना नेताओं व उनके परिवारों की पीड़ा समाप्त हो जाएगी। हालांकि यह पत्र लिखते हुए सरनाइक को शायद यह स्मरण नहीं रहा कि 100 करोड़ वसूली के मामले में तीन-तीन केंद्रीय एजेंसियां राकांपा नेता अनिल देशमुख की जांच कर रही हैं।

सरनाइक का यह पत्र हाल ही में दिए गए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के उस बयान के बाद लिखा गया है, जिसमें पटोले ने कांग्रेस के अगला चुनाव अकेले लड़ने की बात कही थी। नाना पटोले ने रविवार को भी पत्रकारों से बात करते हुए अपनी बात दोहराई। यह गठबंधन पांच वर्ष के लिए हुआ था। हमने भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए महाविकास अघाड़ी बनाई थी। यह कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। हर पार्टी को स्वयं को मजबूत करने का अधिकार है। पटोले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में जो अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, यदि वे ऐसा करेंगे, तो क्या हम चुप बैठे रहेंगे?

आने वाले दिनों में पार्टी की क्या भूमिका रहेगी, यह पार्टी की 55वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री स्पष्ट कर चुके हैं। जिसे अकेले लड़ना है, वो लड़े। शिवसेना ने राजनीतिक लड़ाई अपनी ताकत पर लड़ी है। चाहे गठबंधन हो या न हो, लेकिन लड़ाई अपनी ताकत पर ही लड़ी जाती है। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को पार्टी की 55वीं वर्षगांठ पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जो लोग आम जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय अकेले लड़ने की बात करते हैं, जनता उन्हें पीटेगी। हालांकि अपने बयान में नाना पटोले ने उद्धव के इस कथन को नजरंदाज करते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि मुख्यमंत्री ने यह बात किसके संदर्भ में कही है।

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया।

शनिदेव की दृष्टि से क्यों कांपते हैं
मनुष्य व देवता

शनि एक पाप ग्रह माना जाता है। शनि की वक्र दृष्टि से अच्छे-भले मनुष्य का नाश हो जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया। जानें आगे क्या हुआ

सनातन धर्म में शास्त्रों के अनुसार भगवान श्री गणेश को भगवान श्री कृष्ण चन्द्र का ही अवतार माना गया है। ब्रहमवैवर्त पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्त करने की चाह से मां पार्वती ने भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी का ध्यान किया। अपने भक्त की पुकार सुन कर भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी ने वृद्ध ब्राह्मण का रूप धारण कर माता पार्वती को बताया कि वह गणेश रूप में उनके पुत्र बनकर अवतरित होंगे। इस घटना के उपरांत मनमोहनी छवी का बालक मां पार्वती जी के समक्ष अवतरित हुआ। उस बालक के मुख मंडल पर इतना तेज था कि उसके आकर्षण में बंध कर समस्त देवी-देवता और ऋषि-मुनि बालक के दर्शनों हेतू आ गए। जब शनिदेव को ज्ञात हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि मनमोहनी छवी के बालक के दर्शन करने गए हैं तो वो भी श्री गणेश के दर्शनों के अभिलाषी बन कर कैलाश पर्वत पर पंहुच गए।

वे खुशी-खुशी कैलाश पर्वत पर पंहुच तो गए मगर उन्होंने बालक गणेश के दर्शन नहीं किए क्योंकि शनिदेव को उनकी पत्नी का शाप था कि उनकी दृष्टि सदैव नीची ही रहेगी, जिस पर उनकी दृष्टि पड़ेगी उसका सिर कट जाएगा। इस भय से की उनके दर्शन करने से बालक का कोई अहित न हो जाए वह आंखे फेरे खड़े रहे।

माता पार्वती को बहुत आश्चर्य हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि उनके पुत्र की मनमोहनी छवी को निहार रहे हैं वहीं शनि देव नजरे नीचे किए उनके पुत्र से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। उन्होंने शनिदेव को अपने समीप बुलाया और कहा, '' शनिदेव सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने मेरे पुत्र के दर्शन कर लिए हैं बस आप ही रह गए हैं। लिजिए गोद में उठा लें बालक को।''

शनिदेव बोले, '' माफ करें माता मैं चाह कर भी इस मनमोहने बालक को अपनी गोद में उठा नहीं सकता और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल सकता हूं।''

माता पार्वती हैरानी से शनि देव की ओर देखने लगी। शनिदेव ने उन्हें अपनी पत्नी द्वारा दिए गए श्राप की बात बताई। किंतु माता बनने का सौभाग्य पाकर माता पार्वती बहुत हर्षित थी। उन्होंने शनिदेव की एक न सुनी और बालक गणेश के दर्शन करने को कहा। माता पार्वती के प्रेमपूर्वक किए गए अग्रह को शनिदेव टाल न सके और उन्होंने बालक पर अपनी दृष्टि डाल दी। शनिदेव के बालक गणेश पर दृष्टि डालते ही उनका सिर कट गया। अपने पुत्र की ऐसी दशा देख माता पार्वती विलाप करने लगी। भगवान श्री हरि विष्णु जल्दी से गए और जाकर एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर ले आए और उसे बालक गणेश के सिर पर लगा दिया। उसी दिन से श्री गणेश गजानन कहलाए।

तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

परमात्मा की हवा, परमात्मा का पानी, परमात्मा की रोशनी, परमात्मा का खाना, इन चीजों से मनुष्य की शक्ति बनती है। जब मनुष्य मन में यह भावना घर कर लेती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। परमात्मा की इच्छा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है किंतु मनुष्य सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है, परमपुरुष की इच्छा की पूर्ति हुई है। वे जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। तुम्हारी ख्वाहिश भी वैसी थी, इसलिए तुम्हारे मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। साधक केवल आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे, यह मनोभाव साधक का नहीं है इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप अर्थात अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना, ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है? जनसेवा जो जनसेवा करते हैं, वे सेवा करते वक्त सेवा प्राप्त करने वाले को नारायण समझते हैं, मनुष्य नहीं। इसलिए जनसेवा से आध्यात्मिक उन्नति तो अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त मन अत्यन्त निर्मल हो जाता है। उस निर्मल मन से मनुष्य जो कुछ भी करेगा, उसी में उनकी जय-जयकार है।

राशिनुसार दीवारों के रंग कैसे हों

अपनी राशि के अनुरूप रंगों का चयन करके आप अपने मकान को पेंट करवा सकते हैं।
मेष - लाल, मेहरून, ईंट जैसा
वृषभ - सफेद, चमकीला, हरा, बादामी
मिथुन - गहरा हरा, गहरा नीला, पीच, फिरोजी
कर्क - चांदी, सफेद, आसमानी, परपल
सिंह - पीले रंग के हर शेड्स, जामुनी, नारंगी
कन्या - गुलाबी, हल्का हरा, रामा ग्रीन, सी ग्रीन
तुला - सफेद, बेबी पिंक, ब्राउन, मरीन ब्लू
वृश्चिक - हल्का लाल, लाइट मेजेंटा, पिकॉक ब्लू
धनु - लाइट येलो, हल्दी जैसा पीला, पीच
मकर - ग्रे, डार्क ऑरेंज, ब्राऊन, लाइट ब्लू
कुंभ - ब्लू के सभी शेड्स, खिलता पिंक, मेटल शेड
मीन - ऑरेंज के सभी शेड्स, हल्का बैंगनी, डार्क बादामी

सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

- शास्त्रों के अनुसार सपने में आकाश में उड़ना, नदी या समुद्र में तैरना, तारों या चंद्रमा का दर्शन, महल या पर्वत की चोटी पर आसीन होना शुभ रहता है।
- सपने में पानी वाली जगह जैसे तालाब पोखर में नहाना, सफेद फूल, दर्पण, देवी-देवता, आभूषण से सुसज्जित स्त्री को देखना सुखकारक होता है।
- यदि आप स्वप्न में स्वयं को मल में लिपटा हुआ पाते हैं या सांप ने आपको काट लिया है, तो इसका मतलब है कि आपको धन की प्राप्ति होगी।
- सपने में आपके सिर पर सांप काट ले, तो आपको बेहतरीन नौकरी, पुराना धन मिलने, विवादित या बरसों से बाधित काम के योग बनते हैं।
- सपने में यदि अपने दांत टूटे दिखें, तो इसका मतलब है कि आप बीमार पडने वाले हैं। खाई में गिरना पद-हानि, अथवा पतन का प्रतीक माना जाता है।
- स्वप्न में सिर के केशों का गिरना-भयानक बीमारी, सोने के गहने का टूटना या खोना दुर्घटना का सूचक है। सपने में दूध का जलना भी अशुभ माना जाता है।

कैसे करें नवग्रह को प्रसन्न

ज्योतिष के अनुसार हमारे अंतरिक्ष में फैले सौर मण्डल के 9 ग्रहों का धरती पर स्थित सभी प्राणियों, यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक प्रत्येक जातक पर जन्म लग्न, दशा-महादशा, अंतरदशा तथा प्रत्यंतरों का प्रभाव निश्चित पड़ता है। लग्न, जन्मराशि तथा नाम राशि से चौथे, आठवें, बारहवें स्थान की स्थिति का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नवग्रहों के दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए भी कई उपाय ज्योतिष में बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य लाभ मिलता है।

सूर्य शांति के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। माता-पिता की सेवा तथा सूर्य को अर्घ्य, जल में रोली तथा लाल पुष्प डालकर देना चाहिए। सोना-तांबा तथा चीनी-गुड़ का दान भी करें। सूर्योदय से पूर्व उठें तथा रविवार का व्रत करें।

ध्यान देने योग्य बातें- नमक का कम उपयोग करें। बुजुर्गों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लें।

चंद्रदेव शांति के लिए नम: शिवाय मंत्र का जप करें। पानी वाला नारियल, सफेद चंदन तथा चांदी का चंद्रमा, विल्वपत्र, सफेद मिष्ठान्न का भगवान शंकर को भोग लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- सोमवार का व्रत करें तथा सफेद वस्त्र का दान करें, पहाड़ों की यात्रा करें तथा स्वमाता के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

मंगल की शांति के लिए हनुमानजी को चमेली का तेल मिश्रित सिंदूर व शुद्ध घी का चोला चढ़ाएं तथा मंगल स्तोत्र का पाठ करें। इमरती, जलेबी, बूंदी तथा चूरमे का प्रसाद अर्पण करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपने कुटुंब, सहयोगियों से बैर न रखें। सगे भ्राता को सम्मान दें। मंगलवार का व्रत करें।

बुध ग्रह की शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हरे मूंग भिगोकर पक्षियों को डालें। पालक या हरा चारा गायों को खिलाएं। पक्षियों विशेषकर तोतों को पिंजरों से स्वतंत्रता दिलाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- नौ वर्ष से छोटी कन्याओं के पाद प्रक्षालन अर्थात पैर धोकर उनको प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त करें। बुधवार का व्रत रखें। मंत्रानुष्ठान हवन करके बुध की अनुकंपा प्राप्त करें।

बृहस्पति देव गुरु की प्रसन्नता के लिए ब्राह्मणों का सम्मान करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। चने की दाल तथा केशर का मंदिर में दान करें, केशर का तिलक मस्तक पर लगाएं एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का योग्य व्यक्तियों को दान करें।

ध्यान रखने वाली बातें- किन्नरों की सेवा करें। भगवान ब्रह्मा का केले से पूजन करें तथा कुल पुरोहित का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त करें एवं यथाशक्ति स्वर्ण का दान करें।

शुक्र ग्रह की शांति के लिए कनकधारा महालक्ष्मी का दैनिक पाठ करें। श्वेत और स्वच्छ वस्त्र पहनने चाहिए। गो की सेवा तथा गोशाला में गुड़, हरा चारा, चने की दाल गायों को खिलाएं। विशेष रूप से श्रीविद्या का पूजन कराएं। एकाक्षी ब्राह्मण को कांसे के कटोरे में खीर खिलाकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। विशेष परिस्थिति में रोग हो तो मृत संजीवनी का मंत्र जप कराएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपनी पत्नी का सम्मान करना चाहिए। संयम से रहें। व्यसनों से बचें।

शनि ग्रह की शांति के लिए पीपल वृक्ष तथा भैरव का पूजन करें। इमरती, उड़द की दाल, दही बड़े भैरवजी को चढ़ाएं व प्रसाद में बांटें। श्री हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का नियमित पाठ करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- मजदूरों को तली हुई खाद्य वस्तुओं का दान करें। शनिवार का व्रत करें। पिता के संबंधियों से अच्छे मधुर संबंध बनाए रखें। शनिवार को तिल के तेल का शनि पर अभिषेक करें।

राहु की शांति के लिए मां सरस्वती का पाठ-पूजन करना चाहिए, घर पर बने शुद्ध शाकाहारी भोजन का ही सेवन करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- किसी भी प्रकार का बिजली का सामान इकट्ठा न होने दें तथा बिजली का सामान मुफ्त में न लें। मातृपक्ष के संबंधियों की सेवा करें और अश्लील साहित्य या फिल्में न देखें।

केतु ग्रह की शांति के लिए गणेशजी की पूजा-अर्चना करें। बच्चों को केले खिलाएं और किसी भी धर्मस्थल पर ध्वजा चढ़ाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- कुत्तों को तेल चुपड़ी रोटी खिलाएं। कुत्तों को चोट कदापि न पहुंचाएं।

मनुष्य के पापों को कैसे धोती हैं
गंगा, यमुना और सरस्वती

अनेक धार्मिक स्थानों पर लोग अपनी-अपनी इच्छाओं और मन्नतों की पूर्ति के लिए जाते हैं। इन स्थानों पर आकर ही समझ में आता है कि मनुष्य कितना कमजोर और निःसहाय है। इसमें कोई शक नहीं है कि यहां आकर अच्छे-अच्छों के सिर झुक जाते हैं। नास्तिक भी स्वीकार करेंगे कि यहां पर मनुष्य के अहम् की समाप्ति होती है।

यहां आदमी सेवा, त्याग, दान,

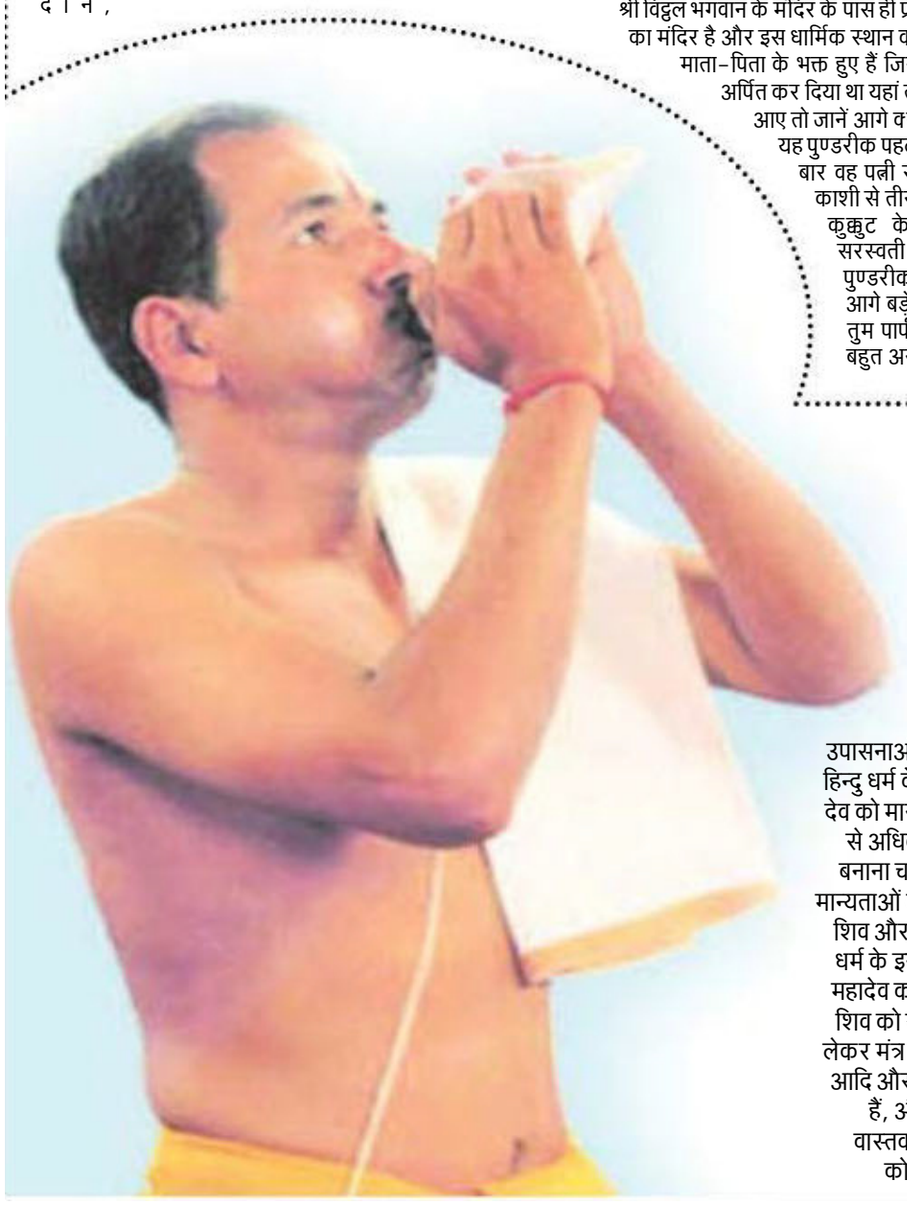

चिंतन वह सब कुछ करने को तैयार हो जाता है, करता भी है, जो वह अमूमन अपने घर में नहीं करता। तो क्या यह डर है? बहुत हद तक। मगर इन सब में प्रमुख यह है कि यहां भी भक्त कहीं न कहीं स्वार्थी ही सिद्ध होती है। तभी तो वह अपने लिए विभिन्न सुख की कामना और दुःख के निवारण की प्रार्थना करता है और अधिक हुआ तो अपने परिवार के सदस्यों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करता है। दक्षिण चन्द्रभागा के तट पर श्री विट्ठल भगवान के मंदिर के पास ही प्रायः पांच सौ गज दूरी पर पुण्डरीक का मंदिर है और इस धार्मिक स्थान का बड़ा महात्मय है क्योंकि यह ऐसे माता-पिता के भक्त हुए हैं जिन्होंने उनकी सेवा में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था यहां तक की भगवान जब उन्हें दर्शन देने आए तो जानें आगे क्या हुआ.

यह पुण्डरीक पहले माता-पिता के भक्त नहीं थे। एक बार वह पत्नी सहित काशी गए और वहां उन्होंने काशी से तीन कोस दूर मातृ-पितृ भक्त महात्मा कुक्कुट के आश्रम में गंगा, यमुना और सरस्वती को उनकी सेवा करते देखा। पुण्डरीक जब उनके चरण स्पर्श करने को आगे बड़े तो वे यह कह कर दूर हट गई की तुम पापी हो, हमें छुना मत। पुण्डरीक के बहुत अनुनय विनय करने पर गंगा, यमुना और सरस्वती ने बताया कि तुम जैसे पापी मनुष्य हम में स्नान करके जो पाप राशि छोड़ जाते हैं उस पाप राशि को धोकर विशुद्ध करने और पुण्य अर्जित करने के लिए महान पुरूषों के आश्रम में आकर उनकी सेवा करती हैं। यह सुनकर पुण्डरीक ने उनसे अपने उद्धार का उपाय पूछा। उन्होंने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर उनसे पूछने को कहा। तदनुसार पुण्डरीक ने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर अपनी कथा सुनाई और उद्धार का उपाय पूछा। इस पर परम मातृ-पितृ भक्त कुक्कुट ऋषि ने कहा की पुण्डरीक, तू बड़ा मूर्ख है जो माता-पिता की सेवा को छोड़कर यहां काशी तीर्थ के लिए आया है। तुझे यहां क्या फल मिलेगा? माता-पिता की सेवा काशी यात्रा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। जा, यहां से और माता-पिता की सेवा कर। कुक्कुट ऋषि के वचन सुन कर पुण्डरीक वहां से लौट आए और पूर्ण श्रद्धा व प्रेम से माता-पिता की सेवा करने लगे। वे फिर माता-पिता के साथ पण्ढरी में आकर रहने लगे। उनकी मातृ-पितृ भक्ती से प्रसन्न होकर एक दिन उन्हें दर्शन देने के लिए स्वयं भगवान पधारे। उस समय पुण्डरीक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त थे। उन्होंने भगवान को उचित आदर सत्कार देने की अपेक्षा माता-पिता की सेवा को श्रेष्ठ समझा और भगवान की अपेक्षा न हो इसलिए भगवान की ओर एक ईंट बढ़ा कर प्रार्थना की कि आप इस ईंट पर खड़े रहें। भगवान भक्त वत्सल हैं अर्थात अपने भक्तों के अधीन रहते हैं और भक्त भगवान को अपने प्रेम के वश में करके मनचाही करवा लेते हैं। अतः भगवान भक्त के अग्रह पर उस ईंट पर खड़े हो गए। पुण्डरीक माता-पिता की सेवा से निवृत होकर उसी ईंट के समीप गए और हाथ जोड़कर भगवान की स्तुती करने लगे। भगवान उसकी स्तुति से खुश हुए और उन्होंने उसे वर मांगने को कहा। पुण्डरीक बोले, मेरी अपने माता-पिता के चरणों में इसी प्रकार सेवा और भक्ति बनी रहो। कृपया करके आप इसी रूप में यहां विराजित हो जाए। पुण्डरीक को तथास्तु! कहकर भगवान पुण्डरीक की इच्छानुसार श्री विग्रह के रूप में ईंट पर ही खड़े हो गए और आज तक उनके श्री विग्रह की पूजा होती है और पुण्डरीक के माता-पिता की समाधि भी उन्हीं के मंदिर के पास विद्यमान है। सारांश यह निकलता है कि केवल माता पिता की सेवा से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है।

शिव पूजा में वर्जित हैं शंखनाद

विश्व के सभी धर्मों में हिन्दू धर्म सबसे पुराना धर्म है। ये वेदों पर आधारित है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है। हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं। मानव मन जिस भी देवी-देवता की लीलाओं से अधिक प्रभावित होता है उसे उस देवता को अपना इष्ट देव बनाना चाहिए और उनका ध्यान करना चाहिए। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति। जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं। भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं। वास्तव में भगवान शिव देवताओं में सबसे अद्भुत देवता हैं। कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए। शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता। इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है। आध्यात्मिक ग्रंथों, पौराणिक मतों के अनुसार देवता और दानवों ने अमृत की खोज के लिए मंदराचल पर्वत की मथानी से क्षीरसागर मंथन किया, उससे 14 प्रकार के रत्न प्राप्त हुए। आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है। पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी। श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे। संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई। सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया। क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई। लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी। श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्हेंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया। श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना। दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के खुमार में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा। साधु-संतों को सताने लगा। साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया। शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था। भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है। शंख भगवान विष्णु को बहुत ही प्रिय हैं लेकिन शिव जी ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है।

बर्लिन में रुस की लडमिला सेमसोनोवा महिला एकल टेनिस मुकाबले में जीत के बाद खुशी व्यक्त करती हुई।

लक्ष्मण ने रहाणे का ध्यान उनकी गलतियों की ओर दिलाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टायलिश बल्लेबाज रहे वीवीएस लक्ष्मण ने टीम इंडिया के उपकप्तान आजिंक्य रहाणे की बल्लेबाजी में आई कमजोरी की ओर भी उनका ध्यान दिलाया है। लक्ष्मण ने सचिन तेंडुलकर की उस सलाह को याद किया जिसे रहाणे से भी जोड़ा जा सकता है।

लक्ष्मण ने कहा, मैं हमेशा से कीवी कप्तान केन विलियमसन की कप्तानी से काफी प्रभावित हूं। मुझे लगा कि रहाणे की आंखें जम चुकी थीं। वह काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। वह दूसरे दिन के मुकाबले बेहतर बल्लेबाजी कर रहे थे पर यह कीवी खिलाड़ियों के जाल में फंस गये। न्यूजीलैंड ने इससे पहले क्राइस्टचर्च में भी उनके खिलाफ यही रणनीति अपनाई थी। इस बात को समझने की जरूरत है। लक्ष्मण ने आगे कहा, आप नील वैगनर और केन विलियमसन के बीच हुई प्लानिंग को देखें। पांचवीं गेंद तक वहां कोई फील्डर नहीं था। इसके बाद वहां और बैकवर्ड शॉर्ट-लेग पर भी फील्डर लगाया गया। इससे रहाणे को आधे-अधूरे दिल से पुल शॉट खेलना पड़ा। उस पुल शॉट में कोई दम नहीं था। इस बात को लेकर रहाणे काफी निराश भी होंगे। साथ ही कहा, मुझे याद है कि जब मैंने अपने क्रिकेटिंग करियर की शुरूआत की थी तो महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर ने मुझे सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर आप कामयाब होना चाहते हैं तो आपको दो क्षेत्रों में सहज होने की जरूरत है।

सचिन ने मुझे कहा था, सबसे पहले आपको पता होना चाहिए कि आपका ऑफ स्टंप कहां हैं। आपको पता होना चाहिए कि गेंद जब ऐसी जगह पिच हो जहां समझना मुश्किल हो कि कैसे खेलना है, उसका सामना करना आपको आना चाहिए। दूसरा आपको बाउंसर को छोड़ना या डिफेंड करना भी आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, विरोधी टीम को पता है कि आप पुल या हुक शॉट खेलते हैं तो वे आपको काफी बाउंसर फेंकेंगे और फिर उसके हिसाब से फील्ड सेट करेंगे।

विराट ही नहीं किसी भी बल्लेबाज के लिए उस गेंद का सामना आसान नहीं था : जैमीसन

साउथम्पटन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइली जैमीसन ने कहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली जिस प्रकार की इनस्विंगर पर आउट हुए उसपर कोई भी बल्लेबाज आउट हो जाता। जैमीसन की धारदार गेंदबाजी की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन भारतीय टीम को 217 रनों पर ही समेट दिया था।

जैमीसन ने लगातार आउट स्विंगर फेंकने के बाद इनस्विंगर डाल कर विराट को आउट किया। जैमीसन ने इसी पकार विराट को न्यूजीलैंड में भी आउट किया था। वहीं मैच के बाद जैमीसन ने कहा, यह एक ऐसी गेंद थी जिसे एक गेंदबाज के तौर पर नियंत्रित करना काफी कठिन था और एक बल्लेबाज के लिए तो उसका सामना करना और भी ज्यादा कठिन हो जाता। तो मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ कोहली की बात है उनकी जगह किसी अन्य बल्लेबाज के लिए भी उस गेंद का सामना करना कठिन था।

उन्होंने कहा, विराट भारतीय टीम का एक अहम हिस्सा हैं। उनका विकेट हासिल करना काफी बड़ी बात होती है हालांकि उन्हें नहीं लगता कि कोहली की तकनीक में कोई समस्या है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोहली की तकनीक में कोई परेशानी है। ऐसे खिलाड़ियों के तरकश में कई तीर होते हैं।

वह जाहिर तौर पर, उनकी टीम का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें जल्दी आउट करने से हमें मुकाबले में एक प्रकार से बढ़त मिली है।

इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने जमकर छींटाकशी की थी : स्नेह

ब्रिस्टल, (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ रहे एकमात्र टेस्ट मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेलने वाली भारतीय महिला टीम के क्रिकेटर स्नेह राणा ने कहा है कि मैच के दौरान मेजबान टीम की खिलाड़ियों ने उनका ध्यान भटकाने के लिए जमकर छींटाकशी की थी पर इसके बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना संयम बनाये रखा। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, तानिया भाटिया, स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर के शानदार प्रदर्शन से भारत ने फॉलोआन खेलने के बाद भी यह मैच ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की। इंग्लैंड को चौथे और अंतिम दिन आखिरी सत्र में जीत के लिए दो विकेट की जरुरत थी और उनके गेंदबाजों ने इन्हें हासिल करने के लिए हर प्रकार की रणनीति अपनायी और लगातार छींटाकशी भी की पर स्नेह और तानिया पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तानिया के साथ शतकीय साझेदारी निभाने वाली स्नेह ने कहा कि हमें परेशान करना उनका काम था और उन्होंने इसके लिये कई तरह के प्रयास किये जो नाकाम रहे। उन्होंने कहा कि हमने उन पर ध्यान नहीं दिया और चाहे हम दूर हो या पास हर गेंद के बाद एक दूसरे से बातचीत करती रही। इससे हमारा मनोबल बरकरार रहा। हम अपनी टीम के लिये क्रीज पर टिके रहना चाहते थे और मैदान पर इसी को लेकर हमने बात की थी। स्नेह पिछले पांच वर्षों में भारत के लिये पहला मैच खेल रहीं थीं। इस ऑलराउंडर ने 39.2 ओवर गेंदबाजी करने के बाद आठवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में नाबाद 80 रनों की पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने मैच में चार विकेट भी लिए थे।

लंदन में इटली के मैटियो बैरिटिनी एकल मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित होते हुए।

ओलंपिक की तैयारियों के लिए खिलाड़ियों को 10 करोड़ रुपए देगा बीसीसीआई

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि वह आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों की तैयारियों और अभ्यास के लिये 10 करोड़ रुपए देगा। बीसीसीआई ने कहा कि उसका मानना है कि सभी खेलों का विकास होना जरुरी है। इसलिए बीसीसीआई की आपात शीर्ष परिषद बैठक के दौरान यह फैसला किया गया। इसमें बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली और बोर्ड सचिव जय शाह भी शामिल हुए। इस बारे में बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बीसीसीआई ओलंपिक दल की मदद करेगा। शीर्ष परिषद ने इसके लिये 10 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी दी है। इस कोष का उपयोग टोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाले शीर्ष खिलाड़ियों की तैयारियों और अन्य कार्यों के लिए किया जायेगा। वहीं खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ से बात करने के बाद इसके लिए भुगतान का तरीका तय किया जाएगा। टोक्यो ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे।

स्वर्ण जीतकर भी ओलंपिक टिकट हासिल नहीं कर पाये प्रकाश और नटराज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तैराक साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज के ओलंपिक खेलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। यह दोनो ही बेलग्राद ट्रॉफी तैराकी प्रतियोगिता में अपने-अपन वर्ग में स्वर्ण जीतने के बाद भी ए क्वालीफिकेशन स्तर को हासिल नहीं कर पाये जिससे इनके हाथ से ओलंपिक टिकट निकल गया है। प्रकाश ने ओलंपिक क्वालिफायर में एक मिनट 56.96 सेकेंड का समय निकालकर पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इस दौरान साल 2018 में बनाए अपने ही ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार भी किया पर वह बेहद कम अंतर से ओलिंपिक ए क्वालीफिकेशन स्तर हासिल नहीं कर पाये। वहीं नटराज ने भी 54.45 सेकेंड के समय के साथ 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण जीता पर वह भी एक ए स्तर हासिल नहीं कर पाये। प्रकाश और नटराज दोनों को ही 200 मीटर बटरफ्लाई और 100 मीटर बैकस्ट्रोक में ओलिंपिक बी स्तर मिला है। ओलिंपिक के लिए 200 मीटर बटरफ्लाई में ए स्तर एक मिनट 56.48 सेकेंड है जबकि 100 मीटर बैकस्ट्रोक में यह 53.85 सेकेंड है। वहीं अन्य भारतीय तैराकों में शोएन गांगुली ने भी 400 मीटर मेडले में चार मिनट 37.70 सेकेंड के समय के साथ भारत को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। अनुभवी माना पटेल ने 29.79 सेकेंड के समय के साथ महिला 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि तानिश मैथ्यूज ने पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई में दो मिनट 13.55 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं केनिशा गुप्ता महिला 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 26.65 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रही।

अभ्यास की कमी के कारण सिंधू के लिए आसान नहीं रहेगा ओलंपिक : ज्वाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व युगल बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने कहा है कि पीवी सिंधू के लिए मैच अभ्यास की कमी के कारण अगले माह शुरू हो रहे टोक्यो ओलंपिक में सफलता हासिल करना आसान नहीं होगा। साइना इस बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी हैं। ऐसे में 23 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों में सिंधू से देश को पदक की उम्मीदें लगी हैं। ज्वाला ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह पदक जीतेगी। सिंधू पर इस बार जाहिर तौर पर पिछले बार से ज्यादा दबाव होगा। साथ ही कहा कि रियो में सिंधू के लिए हालात बिल्कुल अलग थे, अब हालात पूरी तरह से बदल गये हैं। इस बार उन पर ज्यादा ध्यान है और यह सिंधू पर ही निर्भर करता है कि वह इस दबाव का कैसे सामना करती हैं। मुझे उम्मीद है कि वह इसे सकारात्मक रूप से लेंगी। हर कोई उसका खेल जानता है, सबने उसे देखा है। चिंता की बात यह भी है कि कोविड-19 के कारण खिलाड़ियों को बहुत सारे टूर्नामेंटों में खेलने का मौका नहीं मिला है जिससे अभ्यास की भी कमी हो गयी है। उन्होंने कहा कि वह जब किसी खिलाड़ी के साथ अभ्यास करती है तो हमारे यहां उसके स्तर का कोई खिलाड़ी नहीं है। जबकि चीन और कोरियाई टीम में 20-30 खिलाड़ी है। कोविड-19 के कारण यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए भारतीय खिलाड़ियों को मैच अभ्यास की कमी हो गयी। सिंधू के अलावा पुरुष वर्ग से बी साई प्रणीत और पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। ज्वाला ने कहा कि मुझे हमेशा साईं का खेल पसंद रहा है और मैं हमेशा उन पर विश्वास करती हूं। समस्या यह है कि उसने कभी अपने पर भरोसा नहीं किया। उसके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है पर मुझे उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। चिराग और सात्विक अभी जूनियर हैं और उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वे बिना किसी डर के सब दांव पर लगा सकते हैं।

होल्डर ने पकड़ा शानदार कैच, खुशी में मैदान का चक्कर लगाया

सेंट लूसिया। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने केशव महाराज का एक शानदार कैच पकड़ा है जो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। होल्डर कैच पकड़े के बाद से ही काफी खुश दिखे। वह हवा में मुठ्ठियां लहराते वह मैदान के चक्कर लगाने लगे। इससे पहले होल्डर ने एडिन मार्करम (4) और डीन एल्गर (0) का भी कैच इसी प्रकार पकड़ा था। गेंदबाजी की बात करें तो होल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक को आउट कर अपनी टीम को बड़ी कामयाबी दिलाई थी। केशव 6 रन ही बना पाये। केशक के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम सात विकेट पर 73 रन ही बना पायी हालांकि रेसी डर डुसां के नाबाद 75 और कागिसो रबाडा के 40 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी टीम अपनी पारी के दौरान 174 रन तक पहुंच गयी। यह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के 27वें ओवर की बात है। केशव ने जेडन सील्स की फुल गेंद पर ड्राइव करने की कोशिश की थी। गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और पीछे गई। वहीं दूसरी स्लिप में खड़े होल्डर ने अपने दाएं ओर छलांग लगाते हुए एक हाथ से शानदार कैच पकड़ा।

यूजीन में रेशिल मैककॉय महिलाओं की उंची कूद के फाइनल मुकाबले में जीत के बाद खुश होती हुई।

कोलंबियाई से हार के साथ ही भारतीय महिला तीरंदाजी टीम के ओलंपिक खेलने की संभावनाएं समाप्त

पेरिस, (एजेंसी)। भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। भारतीय तीरंदाजी टीम को अपने से कम रैंकिंग वाली कोलंबियाई टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। अनुभवी भारतीय महिला टीम को ओलंपिक में जगह बनाने के लिए 28 टीमों में से शीर्ष तीन में रहना था पर वह निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए इससे बाहर हो गई। इसी के साथ ही भारतीय टीम की ओलंपिक खेलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। भारतय टीम यहां कोई भी सेट जीतने में विफल रही और कोलंबियाई खिलाड़ियों ने उन्हें 6-0 से हराया। एना मारिया रेंडन, वैलेंटिया एकोस्टा गिराल्डो और मायरा सेपुलवेडा की कोलंबियाई तिकड़ी ने परफेक्ट 10 (बिल्कुल सटीक निशाना) के दो निशाने लगाए और 55-54 से सेट अपने नाम कर लिया। दबाव में, भारतीय महिला टीम ने दूसरे सेट में कुल 49 अंक ही बने सकी। इस प्रकार टीम ने इस सेट को भी दो अंकों से गंवा दिया।

भारतीय महिला तीरंदाजों के पास टोक्यो में अपने एकल महिला कोटे के स्थान के साथ ही टीम कोटा हासिल करने का यह अंतिम अवसर था पर वह इसमें नाकाम रहीं। ऐसे में अब दीपिका कुमारी टोक्यो खेलों के महिला वर्ग में भारत की ओर से खेलने वाली एकमात्र खिलाड़ी होंगी। दीपिक लगातार तीसरे ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं भारत ने साल 2019 में नीदरलैंड के डेन बॉश में विश्व चैंपियनशिप से ओलंपिक के लिए पुरुष टीम कोटा पहले ही हासिल कर लिया था। विश्व रैंकिंग की तीसरे नंबर की खिलाड़ी दीपिका, अंकिता भगत और 19 वर्षीय कोमलिका बारी की तिकड़ी ने दो महीने पहले ही ग्वाटेमाला सिटी में विश्व कप चरण एक में स्वर्ण पदक जीता था।

प्रतिस्पर्धा से ही मिलती है बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा : अश्विन

साउथैम्पटन, (एजेंसी)। भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए हमेशा से ही नये प्रयोग करते रहे हैं। इसको लेकर इस गेंदबाज ने कहा कि जिस दिन उनमें कुछ नया सीखने की इच्छा खत्म हो जाएगी वह खेल को अलविदा कह देंगे। अश्विन के अनुसार प्रतिस्पर्धा को वह जरुरी मानते हैं क्योंकि इसी से बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है।

अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट की खासियत यह है कि इससे आप हमेशा एक सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बनने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने अपने करियर में अब तक जो कुछ भी हासिल किया है, वह इसी कारण हासिल किया कि मैंने किसी भी चीज के लिए समझौता नहीं किया और मैं लगातार सुधार करता रहा हूं।

भारतीय स्पिनर ने कहा, मैं फिर से यह कहना चाहूंगा कि अगर मुझे अलग-अलग चीजें करना पसंद नहीं होगा और मैं कुछ नया करने के लिए संयम नहीं रख पाऊंगा या संतुष्ट हो जाऊंगा, तो मैं खेल को जारी नहीं रख सकता हूं। इस गेंदबाज ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 409 विकेट लिए हैं। उन्हें विवादों से जुड़ना पसंद नहीं है, लेकिन अगर छेड़ा गया तो वह अपने प्रदर्शन से जवाब देने में पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं विवादों से आनंद उठाता हूं, लेकिन मुझे संघर्ष करने में अच्छा लगता है और यही कारण है कि मैं यहां तक पहुंचा हूं.

अश्विन ने कहा, मैं जीत का उतना जश्न नहीं मनाता, जितना मुझे आदर्श रूप से मनाना चाहिए क्योंकि मेरे लिए जीत एक घटना भर है। मैं मानता हूं कि यह योजना और अभ्यास के समावेश से मिलता है। मैं जीतने के बाद भी बैठकर सोचता हूं कि इससे बेहतर क्या हो सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने प्रदर्शन के बारे में ज्यादा बात करना पसंद नहीं करते क्योंकि उनके लिए खेल खेलना और इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करना उनका पेशा है।